जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, शनिवार 20 दिसम्बर, 2025

अपने घर का सच जानने के लिए भूकंप का इंतजार मत कीजिए

अब जयपुर, अलवर, भिवाड़ी भूकंप के हाई रिस्क जोन में

जयपुर| ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड ने भूकंप को लेकर देश के नए रिस्क घोषित किए है। अब जयपुर, अलवर, भिवाड़ी हाई रिस्क जोन में हैं। इस जोन के शहरों में 5 से 6 रिक्टर स्केल तक के भूकंप आ सकते हैं। जयपुर 2016 तक माइल्ड डैमेज रिस्क जोन-2 में था। अब जयपुर, भिवाड़ी और अलवर को जोन 4 में शामिल किया है। 2016 तक बीकानेर जोन 3, अजमेर, जयपुर, जोधपुर और उदयपुर जोन 2 में थे। वहीं, ब्यूरो ऑफ इंडिया स्टैंडर्ड के ओर से नया नक्शा जारी होने के बाद जो शहर हाई रिस्क जोन में वहां इन्फ्रास्ट्रक्चर नए नियमों के बनाने होंगे।

- अब जयपुर भूकंप के हाई रिस्क ज़ोन में
- जयपुर की अधिकतम RCC इमारतें भूकंप रोधी नहीं
- कल अगर कुछ हो जाए तो क्या आप रिस्क लेने को तैयार हैं? अगर नहीं तो आज ही Structural Engineer से संपर्क करें या केडिया सेजस्थान कॉल करें
- बहुत से लोग मानते हैं कि RCC इमारतें अपने आप सुरक्षित होती हैं। यह एक खतरनाक भ्रम है।

भूकंप रोधी क्षमता इन बातों पर निर्भर करती हैं :

- स्ट्रक्टरएल डिज़ाइन
- कॉलम बीम
- कंपन भार गणना
- डक्टाइल डिटेलिंग (IS 13920)

FIXED PRICE GUARANTEED

केडिया होम्स के हर प्रोजेक्ट में होती हैं भूकंप रोधी कंस्ट्रक्शन वाली बड़ी बड़ी कोठी, बड़े बड़े फ्लैट छोटी छोटी प्राइस में

NO MIDDLE-MEN

कोठी: सिर्फ ₹4700/Sq Ft

फ्लैट: सिर्फ ₹4000/Sq Ft

FIXED PRICE & RENTAL

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	FIXED PRICE	PROPOSED RENTAL (AFTER POSSESSION)
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	65 LACS	22,000
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	75 LACS	25,000
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	80 LACS	28,000
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.05 CRORE	30,000
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.10 CRORE	40,000
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.50 CRORE	50,000

31 दिसम्बर को 10 लाख रेट बढ़ेगी

KEDIA सेजस्थान

KOTHI & WALK-UP APARTMENT

अजमेर रोड़, जयपुर

पजेशन: 31 दिसम्बर 2025 से शुरु

KEDIA®

1800-120-2323

78770-72737

info@kedia.com

www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in

RERA No. RAJ/P/2023/2387

SCAN QR FOR
- LOCATION
- ROUTE MAP
- SITE 360 TOUR
- E-BROCHURE
- WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

कल्पना विश्व पर शासन करती है। -नेपोलियन

राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण: नियंत्रण के उपाय एवं तात्कालिक आवश्यकता

राजस्थान में बढ़ता प्रदूषण आज केवल पर्यावरणीय चुनौती नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य पर सीधा खतरा बन चुका है। राज्य के कई शहर लगातार खराब वायु गुणवत्ता, बढ़ती धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और जल-मिट्टी के प्रदूषण की मार झेल रहे हैं। जयपुर, जोधपुर, कोटा, अलवर और उदयपुर जैसे महानगर राष्ट्रीय स्वच्छ वायु मानकों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं और इन्हें सतत प्रदूषित शहरों की सूची में चिह्नित किया गया है। कई निगरानी केन्द्रों के आँकडों में पीएम 10 और पीएम 2.5 का स्तर अक्सर मानक सीमा से कहीं अधिक दर्ज होता है, जिससे वायु गुणवत्ता खराब से बेहद खराब श्रेणी तक पहुँच जाती है। एक ताज़ा अध्ययन में राजस्थान के पाँच प्रमुख शहरों में कणीय प्रदूषकों के ऊँचे स्तर के कारण साँस और हृदय संबंधी रोगों में वृद्धि की आशंका जताई गई है, भले ही कुछ गैसीय प्रदूषक (जैसे एसओ2, एनओ2) औद्योगिक मानकों के भीतर हों। इससे साफ है कि धूल और सूक्ष्म कण वर्तमान संकट की मुख्य वजह बन चुके हैं।

राजस्थान की शुष्क-अर्धशुष्क जलवायु के कारण स्वाभाविक रूप से धूल का स्तर अधिक रहता है, लेकिन तेज शहरीकरण, वाहन दबाव और निर्माण गतिविधियों ने इस धूल को खतरनाक प्रदूषण में बदल दिया है। खनन क्षेत्र और औद्योगिक क्लस्टर, विशेषकर जोधपुर व पाली आदि, गंभीर प्रदूषण सूचकांक के दायरे में आए हैं और वहाँ की हवा व आसपास के इलाकों की मिट्टी-जल पर इसका प्रभाव दिख रहा है। वाहन उत्सर्जन, सड़कों पर उड़ती धूल, निर्माण-ध्वस्तीकरण के मलबे, औद्योगिक धुआँ और कचरा जलाना मिलकर शहरों की वायु गुणवत्ता को बिगाड़ रहे हैं। दूसरी ओर, नदियों-तालाबों में औद्योगिक अपशिष्ट, सीवेज और रसायनों के बहाव से जल प्रदूषण को रोकने के लिए अलग से कड़े प्रबंधन की आवश्यकता है, जिसके लिए राज्य स्तर पर जल (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) नियमों में संशोधन किए गए हैं। बढ़ते वायु प्रदूषण के कारण दमा, एलर्जी, सीओपीडी, हृदय रोग और बच्चों-बुजुर्गों में फेफड़ों की क्षमता में कमी जैसे जोखिम स्पष्ट रूप से बढ़ रहे हैं। उच्च पीएम10 और पीएम2.5 वाले क्षेत्रों में लंबे समय तक रहने से फेफड़ों में सूक्ष्म कण जमा होकर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की संभावना भी बढ़ा सकते हैं। धूल और रासायनिक प्रदूषण से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित होती है, जबकि दूषित जल सिंचाई के माध्यम से फसलों और फिर खाद्य श्रृंखला में प्रवेश कर मानव स्वास्थ्य पर 'धीमा ज़हर' जैसा प्रभाव छोड़ सकता है। समाज स्तर पर प्रदूषण के कारण स्वास्थ्य व्यय, कार्यक्षमता में कमी और जीवन की गुणवत्ता गिरने से आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है, जिसका उल्लेख स्वच्छ वायु कार्यक्रम से जुड़े मूल्यांकन अध्ययनों में किया गया है।

राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड वायु, जल और औद्योगिक प्रदूषण नियंत्रण के लिए निगरानी, अनुमति, निरीक्षण और मानकों के अनुपालन का काम कर रहा है, साथ ही ऑनलाइन प्रणालियों के माध्यम से उद्योगों की निगरानी को मजबूत किया गया है। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (NCAP) के तहत अलवर, जयपुर, जोधपुर, कोटा और उदयपुर जैसे शहरों के लिए सिटी एक्शन प्लान तैयार किए गए हैं, जिनमें सड़क धूल नियंत्रण, कूड़ा जलाने पर रोक, सार्वजनिक परिवहन सुधार और औद्योगिक उत्सर्जन नियंत्रण की रणनीतियाँ शामिल हैं। राज्य सरकार ने वायु और जल प्रदूषण से संबंधित नियमों में संशोधन करते हुए 2022 और 2023 में जल तथा वायु (प्रिवेंशन एंड कंट्रोल ऑफ पॉल्यूशन) नियमों में बदलाव किए हैं, जिससे उद्योगों पर अनुपालन दबाव और दंडात्मक प्रावधान मजबूत हुए हैं। जोधपुर जैसे औद्योगिक क्लस्टर के लिए विशिष्ट व्यापक पर्यावरण प्रदूषण शमन योजना तैयार की गई है, जिसमें उत्सर्जन, अपशिष्ट जल और ठोस कचरे के बेहतर प्रबंधन पर जोर है। ये प्रयास सराहनीय हैं, किंतु क्रियान्वयन में कमी के कारण प्रदूषण का स्तर अब भी चिंताजनक बना हुआ है। उद्योगों को ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज और फ्ल्यू गैस ट्रीटमेंट अनिवार्य करने के बावजूद कई इकाइयाँ मानकों का पालन नहीं कर रही हैं, जिसके लिए सख्त निरीक्षण और दंड की आवश्यकता है।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रशासन, उद्योग और नागरिक-तीनों स्तरों पर ठोस कार्रवाई आवश्यक है। राजस्थान जैसे राज्य के लिए प्रदूषण नियंत्रण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जल-संकट, कृषि, पर्यटन और लोक-स्वास्थ्य से जुड़ा विकास का प्रश्न है; इसलिए योजनाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट और सस्टेनेबल शहरों-गाँवों की सोच को केंद्रीय स्थान देना होगा।

प्रदूषण नियंत्रण के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं, बल्कि प्रशासन, उद्योग और नागरिक-तीनों स्तरों पर ठोस कार्रवाई आवश्यक है। शहरों में सड़क धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित मैकेनिकल रोड स्वेपिंग, निर्माण स्थलों की बैरिकेडिंग व कवरिंग, ग्रीन बेल्ट विकास और खुले भूखण्डों पर वृक्षारोपण जैसे उपाय प्रभावी सिद्ध हो सकते हैं, जिन पर स्वच्छ वायु योजनाओं में जोर दिया जा रहा है। औद्योगिक क्षेत्रों में ईंधन परिवर्तन (कोयले से स्वच्छ ईंधनों की ओर), एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट, फ्ल्यू गैस ट्रीटमेंट और ज़ीरो लिक्विड डिस्चार्ज जैसी तकनीकों को प्रोत्साहित करना होगा, जैसा कि जोधपुर औद्योगिक क्लस्टर की कार्ययोजना में सुझाया गया है। नगर निकाय स्तर पर कचरा प्रबंधन में स्त्रोत पर कचरा पृथक्करण, वैज्ञानिक लैंडफिल, कंपोस्टिंग और खुले में कचरा जलाने पर सख्त कार्रवाई आवश्यक है। खनन क्षेत्रों में धूल नियंत्रण के लिए पानी छिड़काव, ग्रीन कवर और परिवहन मार्गों पर नियंत्रण जैसे उपाय अपनाए जाने चाहिए, क्योंकि थार मरुस्थल के निकट खनन प्रदूषण को कई गुना बढ़ा रहा है। जल प्रदूषण रोकने हेतु नदियों के किनारे बफर ज़ोन, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों का विस्तार और औद्योगिक अपशिष्टों पर जीपीएस ट्रैकिंग अनिवार्य होनी चाहिए। इन उपायों को लागू करने के लिए राज्य सरकार को बजट आवंटन बढ़ाना होगा, साथ ही कॉर्पोरेट सीएसआर फंडिंग को प्रदूषण नियंत्रण पर केंद्रित करना चाहिए।

लंबे समय में प्रदूषण नियंत्रण तभी सफल होगा जब नागरिक स्वयं निजी वाहनों के अत्यधिक उपयोग से बचकर सार्वजनिक परिवहन, कार-पूलिंग और साइकिलिंग को अपनाएँ तथा स्थानीय स्तर पर वृक्षारोपण और जल-मिट्टी संरक्षण अभियानों से जुड़ें। स्कूल-कॉलेजों में पर्यावरण शिक्षा और 'ग्रीन क्लब' जैसी पहलें युवाओं में स्वच्छ हवा के अधिकार और जिम्मेदारी दोनों का बोध पैदा कर सकती हैं, जो भविष्य की नीतियों पर सकारात्मक दबाव बनाएँगी। राजस्थान जैसे राज्य के लिए प्रदूषण नियंत्रण केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं, बल्कि जल-संकट, कृषि, पर्यटन और लोक-स्वास्थ्य से जुड़ा विकास का प्रश्न है; इसलिए योजनाओं में क्लाइमेट रेजिलिएंट और सस्टेनेबल शहरों-गाँवों की सोच को केंद्रीय स्थान देना होगा। जोधपुर जैसे शहर, जहाँ सीमेंट और निर्माण उद्योग प्रमुख हैं, वहाँ विशेष रूप से धूल नियंत्रण और हरित ऊर्जा पर जोर देकर मॉडल स्थापित किया जा सकता है। यदि नीति, तकनीक और जनचेतना तीनों मिलकर काम करें, तो राजस्थान की हवा, पानी और मिट्टी को फिर से स्वस्थ दिशा में मोड़ा जा सकता है। समय आ गया है कि हम प्रदूषण को विकास का दुश्मन न मानें, बल्कि इसे नियंत्रित कर सतत प्रगति का आधार बनाएँ। राजस्थान की रेतीली धरती पर फिर से हरियाली और स्वच्छता का स्वप्न साकार करने का संकल्प ही हमारा वास्तविक कर्तव्य है।

-अतिथि संपादक,
अविनाश जोशी,
वरिष्ठ पत्रकार एवं कॉरपोरेट सलाहकार

राशिफल शनिवार 20 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, मूल नक्षत्र रात्रि 1:22 तक, गंड योग सायं 4:17 तक, किस्तुघ्न करण रात्रि 8:12 तक, चन्द्रमा आज धनु राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृश्चिक, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज ज्वालामुखी योग रात्रि 1:22 तक है। शुक्र मूल धनु में प्रात: 7:45 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:32 से 9:50 तक, चर 12:24 से 1:41 तक, लाभ-अमृत 1:41 से 4:16 तक।

राहूकाल: 9:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:15, सूर्यास्त 5:33 तक

मेष
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। मित्रों/रिश्तेदारों से मतभेद हो सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

मिथुन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

कर्क
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

सिंह
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

कन्या
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

वृश्चिक
आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

धनु
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक यात्रा संभव है।

मकर
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

कुंभ
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

मीन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

क्या दवा माफिया प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि योजना को निष्फल करने में लगा है?

रोटेरियन सुनील दत्त गोयल

देश में स्वास्थ्य-सुधार और सस्ती दवाओं की उपलब्धता को लेकर प्रधानमंत्री जन औषधि योजना एक ऐतिहासिक पहल मानी गई है। यह योजना उस समय ऐसे वातावरण में शुरू हुई थी, जब भारत में दवाओं की कीमतें लगातार बढ़ रही थीं और गरीब-मध्यमवर्गीय परिवारों पर चिकित्सा व्यय एक असहनीय बोझ बन चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मूल भावना थी - दवा एक विलासिता नहीं, बल्कि हर नागरिक का बुनियादी अधिकार है।

लेकिन जिस विचार और संवेदनशीलता के साथ यह योजना आकार ली थी, वह आज गंभीर चुनौतियों से घिरी दिखाई देती है। एक तरफ जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सरकार गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएँ सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने का दावा करती है, दूसरी ओर बाजार में 80-90 प्रतिशत छूट पर मिलने वाली संदिग्ध जेनेरिक दवाओं की बाढ़ ने पूरे तंत्र पर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह संयोग मात्र नहीं लगता; बल्कि एक संगठित प्रयास प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य जन औषधि योजना की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँचाना है।

जेनेरिक दवाओं की अंधाधुंध छूट - संदेह की पहली कड़ी

आज लगभग पूरे देश में यह दृश्य आम हो चुका है कि मेडिकल स्टोर एमआरपी से 80 या 90 प्रतिशत कम कीमत पर दवाइयाँ देने का दावा करते हैं। सवाल उठता है -

यदि दवा इतनी सस्ती उपलब्ध हो सकती है, तो फिर एमआरपी पर इतना भारी-भरकम मूल्य क्यों अंकित किया जाता है?

क्या यह व्यापारिक असंतुलन है, या एक सुनियोजित धोखाधड़ी?

दिवाली के पटाखों की तरह, जिनका एमआरपी और वास्तविक मूल्य में भारी अंतर होता है, दवाओं का ऐसा व्यवहार गहरी चिंता का विषय है। लेकिन पटाखों से भिन्न, दवा कोई मनोरंजन का साधन नहीं - यह जीवन और मृत्यु के बीच की रेखा है। इस क्षेत्र में इस तरह का अव्यवस्थित मूल्य-निर्धारण न केवल अनैतिक है बल्कि खतरनाक भी है।

जब सरकारी केंद्रों पर निजी दवाओं की घुसपैठ होने लगे

प्रधानमंत्री जन औषधि योजना के केंद्रों पर केवल सरकार द्वारा आपूर्ति की गई दवा ही बेचे जाने का प्रावधान है। लेकिन हाल के महीनों में लगातार शिकायतें सामने आई हैं कि कई जन औषधि केंद्रों पर निजी जेनेरिक दवाएँ बेची जा रही हैं - वह भी ऐसी दवाएँ जो किसी प्रकार की गुणवत्ता जाँच के मानक पर खरी नहीं उतरतीं।स्थिति यह है कि - ब्रांड का मालिक कोई और, निर्माता कोई और, मार्केटर कोई तीसरा, और दुकानदार पूरी व्यवस्था से अनभिज्ञ। ग्राहक प्रधानमंत्री के नाम पर भरोसा करके जन औषधि केंद्र पर पहुँचता है, लेकिन उसे ऐसी दवा थमा दी जाती है जिसका न स्त्रोत स्पष्ट है और न गुणवत्ता। यह न केवल योजना की भावना का अपमान है, बल्कि आम लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ भी है।

प्रधानमंत्री की भावना, प्रशासन की जिम्मेदारी और व्यवस्था की चूक

यह उल्लेखनीय है कि इस योजना की शुरुआत में बीफार्मा- और डीफार्मा- युवाओं को रोजगार देने का लक्ष्य भी जुड़ा था। सरकार ने नाममात्र की राशि लेकर दुकानों का पूरा ढांचा उपलब्ध कराया - कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर, दवा स्टॉक और केंद्रीकृत सप्लाई।

मैं स्वयं उदयपुर में इस योजना के प्रारंभ का साक्षी रहा हूँ। उस समय राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव श्री सुधांशु पंत जी, जो तब दिल्ली में फार्मा विभाग में जॉइंट सेक्रेटरी थे, ने अत्यंत ईमानदार नीयत और कठोर गुणवत्ता मानकों के साथ यह परियोजना आगे बढ़ाई थी। लेकिन आज जो हालात बन गए हैं, वे उनकी मूल भावना के बिल्कुल विपरीत हैं। जिला ड्रग कंट्रोल कार्यालयों की उदासीनता व अकर्मण्यता इस समस्या को और गहरा कर रही है। और उनकी मिलिभगत से इंकार नही किया जा सकता।

दवा माफिया का फैलता प्रभाव - संगठित नेटवर्क का संकेत

सवाल यह है कि निजी कंपनियों की दवाएँ जन औषधि केंद्रों तक पहुँच कैसे रही हैं? इसका उत्तर स्थानीय स्तर पर फैली मिलीभगत में छिपा है। कुछ शहरों में तो यह भी देखा गया है कि - एक ही व्यक्ति ने 20-25 जेनेरिक दवाओं की दुकानों का नेटवर्क खड़ा कर रखा है, जहां - अयोग्य स्टाफ, दवा पढ़ने तक का ज्ञान नहीं, ग्राहक पर गलत दवा थोपने की प्रवृत्ति, और अधिक मुनाफे के लिए संदिग्ध उत्पादों का व्यापार - जैसे गंभीर मामले सामने आए हैं। यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि एक गहरे जड़ जमाए माफिया-तंत्र की ओर संकेत है। यह केवल आर्थिक भ्रष्टाचार नहीं - यह सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए खतरा है। दवाओं की दुनिया में कोई भी गलती मजाक नहीं होती। गलत सॉल्ट, घटिया गुणवत्ता, या अप्रमाणित निर्माण-स्थल वाली दवाएँ मरीज की हालत सुधारने के बजाय बिगाड़ देती हैं। जब प्रधानमंत्री जन औषधि योजना जैसे राष्ट्रीय महत्व की परियोजना को ही कमजोर किया जाने लगे, तो यह समझना होगा कि समस्या केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धा का प्रश्न नहीं है -

यह राष्ट्रीय स्वास्थ्य-सुरक्षा का मुद्दा है। सरकार को क्या करना चाहिए? - स्पष्ट और कठोर नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता

इस स्थिति में सिर्फ सलाह या अपील पर्याप्त नहीं। अब कठोर प्रशासनिक और संरचनात्मक कदम आवश्यक हैं:-

1. जन औषधि केंद्रों पर निजी जेनेरिक दवाओं की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध

किसी भी दुकान पर निजी दवा पाए जाने पर उसका लाइसेंस तत्काल निलंबित होना चाहिए। यह योजना तभी सुरक्षित रह सकती है, जब इसकी परिधि में निजी आपूर्ति शून्य हो।

2. एमआरपी को फैक्ट्री स्तर पर नियंत्रित किया जाए

दवाओं का एमआरपी उत्पादन लागत के अनुरूप और पारदर्शी हो। बाजार में 80 प्रतिशत डिस्काउंट का खेल तभी खत्म होगा, जब एमआरपी वास्तविकता आधारित हो।

3. सप्लाई चेन का रियल-टाइम डिजिटलीकरण

सरकारी पोर्टल पर हर दवा की एंट्री, निकासी, बैच नंबर और खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड अनिवार्य हो। यह पारदर्शिता निजी दवाओं की घुसपैठ स्वत: रोक देगी।

4. जिला ड्रग कंट्रोल विभाग की जवाबदेही तय हो

निरीक्षण, कार्रवाई और शिकायतों का सार्वजनिक रिपोर्ट कार्ड जारी हो। जहाँ लापरवाही दिखे - वहाँ तत्काल प्रशासनिक कार्रवाई हो।

5. निजी कंपनियों की अवैध सप्लाई पर आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएँ

यह महज नियम उल्लंघन नहीं - यह सरकारी योजना को निष्प्रभावी करने की साजिश है। इस पर दंडात्मक कार्रवाई अनिवार्य होनी चाहिए।

6. दवा बिक्री के लिए योग्य फार्मासिस्ट अनिवार्य हों

दवा जनता की जान से जुड़ा विषय है;

अयोग्य स्टाफ के हाथों इसे सौंपना अपराध की श्रेणी में आना चाहिए।

7. अमानक या नकली दवा के कारोबार में लिप्त या उनको संरक्षण देने वालों या उनको बचाने वालों को मृत्युदंड का कानून बनाना चाहिए क्युकी वो लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जन औषधि योजना को बचाना केवल सरकार नहीं - पूरे समाज की जिम्मेदारी है। यह योजना उस समय एक आशा का दीपक बनी थी, जब देश का आम नागरिक दवा के लिए आर्थिक संघर्ष झेल रहा था।

आज जब निजी कंपनियों की मिलीभगत, प्रशासनिक लापरवाही और माफिया-तंत्र इस योजना की जड़ों को कमजोर कर रहे हैं, तो यह आवश्यक हो जाता है कि सरकार निर्णायक कदम उठाए और व्यवस्था में कठोर पारदर्शिता सुनिश्चित करे।

प्रधानमंत्री जन औषधि योजना केवल सस्ती दवाओं की योजना नहीं है - यह जनता की स्वास्थ्य-सुरक्षा, पारदर्शिता और विश्वास का प्रतीक है।

इसे बचाना, सुदृढ़ करना और माफिया-प्रभाव से मुक्त रखना हम सभी का सामूहिक दायित्व है।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री।

भांकरोटा हादसे का एक वर्ष

कई परिवारों को दे गया जीवनभर के जख्म

आज भांकरोटा हादसे को एक वर्ष बीत चुका है, किन्तु उस की भयावहता को याद कर आज भी सिरहन महसूस होती है। 20 दिसम्बर, 2024 के दिन की वो स्याह, सर्द अलसुबह हमसे हमारा सब कुछ छीन ले गई। समय के पाबंद हमारे पापा अपनी नियमित दिनचर्यानुसार गुरुवार, 19 दिसम्बर को प्रातः पांच बजे घर से अजमेर रोड स्थित कृषि फार्म के लिए निकले थे 20 दिसम्बर की सुबह लौटना था पर वे कभी नहीं लौटे और हमें दे गए जीवन भर का इंतजार। जो व्यक्ति जीवन भर किसी पहचान का मोहताज नहीं रहा उनके शव की शिनाख्त डीएनए, कार के चैसिस से करनी पड़ी। हमारे पिता, हमारे पथ प्रदर्शक एवं आदर्श जो अपने समस्त सेवा काल में व्यवस्था को सुधारने का प्रयास करते रहे, अंत मे उसी व्यवस्था की भेंट चढ़ गए, यह बात उम्रभर कचोटती रहेगी।

हमारे पिता करणी सिंह राठौर एक ईमानदार, दबंग, तत्परता से निर्णय लेने वाले, संजीदा और कर्मठ आईएएस ऑफिसर थे। श्रीगंगानगर और अजमेर कलैक्टर रहते हुए आम आदमी एवं किसानों के लिए एतिहासिक कार्य करके अत्यंत दूर दराज के इलाकों मे रेवन्यू शिविर लगाकर किसानों को जमा बंदियां सुलभ करवाई और वर्षों के दबे उनके अधिकार दिलवाकर उनके कष्टों का निवारण किया। अजमेर डिस्कॉम और जयपुर नगरपरिषद में कार्य करते हुए उन्होंने कर्मचारियों और आमजन सभी के कल्याण के लिए ऐतिहासिक फैसले लिये और उन्हें तत्परता से लागू करवाया था।

बिल्कुल अलग तरह से लोगों के लिए जीने वाले हमारे पिता अपने आखिरी समय में भी इस व्यवस्था की खामियों की भेंट चढ़ने वालों की कतार में सबसे आगे खड़े थे। काश व्यवस्था के जिम्मेदार उस दर्द का एक अंश भी समझ पाए जो हम भोग रहे हैं 20 दिसम्बर, 2024 की सुबह से। काश इस तरह के घर उजाड़ने वाले हादसे किसी की लापरवाही का परिणाम न हो। काश ऐसा दिन कभी किसी के जीवन में न आए लेकिन निकट भविष्य में ऐसा होना सम्भव नहीं दिख रहा। हमारे देश में सड़क दुर्घटनाओं में प्रतिवर्ष 1 लाख 80 हजार व्यक्ति जान गंवाकर इतने ही परिवारों को जीवनभर के लिए हमारे परिवार जैसी त्रासदी सहन करने के लिए छोड़ जाते हैं। न तो समाज और न सरकार उनकी व्यथा और दर्द समझ सकते हैं।

-सुमन राठौर

धोधलिया गांव में लेपर्ड ने दो युवकों पर हमला किया

चूरू, (निसं)। जिले के रतननगर थाना क्षेत्र के गांव धोधलिया में शुक्रवार सुबह खेत में सरसों की फसल में छिपकर बैठे एक लेपर्ड ने दो युवकों पर हमला कर दिया। हमले में एक युवक के सिर में गंभीर चोट आई है। घायल युवकों को डीबी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। गौरतलब है कि घटना सुबह करीब 7:30 बजे की है, जब धोधलिया निवासी 27 वर्षीय राकेश और 25 वर्षीय गोविंदराम अपने खेत में सरसों की फसल में पानी की लाइन बदलने गए थे। वे अलसुबह करीब चार बजे खेत पहुंचे थे। इस दौरान तेंदुए ने गोविंद और राकेश पर हमला बोल दिया, जिससे राकेश के सिर में गंभीर चोट आई। युवकों के शोर मचाने पर आस-पास के खेतों से ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने तुरंत दोनों घायलों को निजी वाहन से डीबी अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड पहुंचाया। अस्पताल में मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. एम.एम. पुकार के नेतृत्व में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ ने उनका उपचार किया। गांव के लोगों ने बताया कि तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत का माहौल है।

■ खेत में सरसों की फसल में छिपकर बैठा था, खेत में काम कर रहे युवकों पर किया हमला

घायल युवक को उपचार के लिसे अस्पताल में भर्ती कराया।

राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा का रिजल्ट जारी

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान न्यायिक सेवा परीक्षा 2025 का रिजल्ट जारी हो गया है। कुल 44 पदों पर रिजल्ट जारी किया गया है। इस बार भी नतीजों में महिलाओं का दबदबा देखने को मिला है। कुल 28 महिला जज बनी हैं। मेरिट लिस्ट के टॉप-5 स्थानों पर सिर्फ महिलाओं ने जगह बनाई है, जबकि टॉप-10 में सिर्फ 1 पुरुष है।

हाईकोर्ट प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, मधुलिका यादव ने 205.5 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में टॉप किया है। वहीं, प्रज्ञा गांधी 204 अंकों के साथ दूसरे और अंबिका राठौड़ 196 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रही हैं। सिविल जज भर्ती प्रक्रिया के तहत मुख्य परीक्षा में सफल हुए 136 अभ्यर्थियों के इंटरव्यू लिए गए थे। इन सभी के मार्क्स की कंपोजिट लिस्ट जारी करने के साथ ही फाइनल मेरिट लिस्ट (44 चयनित अभ्यर्थी) जारी कर दी गई है।

गौरतलब है कि इस साल फरवरी के अंतिम सप्ताह में न्यायिक सेवा में सिविल जज के 44 खाली पदों को भरने के लिए अधिसूचना निकाली गई थी। इसके बाद 27 जुलाई को प्रारंभिक चरण की परीक्षा हुई थी, जिसका परिणाम अगस्त के तीसरे सप्ताह में घोषित किया गया था। योग्य अभ्यर्थियों के लिए मुख्य लिखित परीक्षा का आयोजन 11 और 12 अक्टूबर को राज्य के दो प्रमुख केंद्रों-जोधपुर और जयपुर में करवाया गया था।

■ मधुलिका यादव ने 205.5 अंक हासिल कर पूरे प्रदेश में टॉप किया, इस बार भी नतीजों में महिलाओं का दबदबा देखने को मिला है, कुल 28 महिला जज बनी हैं

विद्युत आपूर्ति में गड़बड़ी को लेकर किसान यूनियन ने किया प्रदर्शन

चूरू, (निसं)। ग्राम बालरासर आथुणा के किसानों ने भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग के नेतृत्व में शुक्रवार को वोल्टेज कम आने, बार-बार ट्रिपिंग को लेकर और ग्राम बालरासर आथुणा में जीएसएस स्वीकृत करवाने को लेकर जोधपुर डिस्कॉम निगम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन कर नारेबाजी की। प्रदर्शन के बाद अधीक्षण अभियंता आरपी वर्मा ने किसानों के प्रतिनिधिमंडल से वार्ता की। यूनियन के जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग की अगुवाई में किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

■ किसानों के प्रतिनिधिमंडल ने अधीक्षण अभियंता को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में बताया कि कम वोल्टेज आने व बार बार ट्रिपिंग के चलते किसानों के कुओं की मोटरें जलने से किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है और पर्याप्त विद्युत आपूर्ति नहीं होने से किसानों की फसलें खराब हो रही है। जिलाध्यक्ष रामरतन सिहाग ने बताया कि अधीक्षण अभियंता ने मौके पर ही अधिकारियों को निर्देश देकर आज ही पीथीसर जीएसएस पर फीडर अलग करने, घंटेल से अलग विद्युत लाईन खिंचवाने तथा बालरासर आथुणा में नया जीएसएस स्वीकृत करवाने का प्रस्ताव बनाने की बात कही। इस दौरान किसानों के प्रतिनिधि मण्डल में भारतीय किसान यूनियन के ओमप्रकाश, जयलाल, सुनील, सुशील, सीताराम, महेंद्र, रामूराम, ओमप्रकाश, दीपचंद, भगताराम, सुरेश कुमार, जगदीश, सुभाष, बाबूलाल, भालाराम, श्रवण, राजूराम, धर्मचंद और मांगीलाल सहित बड़ी संख्या में किसान यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उर्स मेले के लिए विशेष रेल सेवाओं का संचालन

अजमेर, (निसं)। रेलवे द्वारा उर्स मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु बरेली-दौराई (अजमेर)-बरेली अनारक्षित स्पेशल एवं आजमगढ़-अजमेर-आजमगढ़ उर्स स्पेशल रेल सेवाओं का संचालन किया जा रहा है।

गाड़ी संख्या 04398 बरेली-दौराई (अजमेर) अनारक्षित स्पेशल 22 से 28 दिसंबर तक प्रतिदिन बरेली से शाम 4.50 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 7.55 बजे दौराई पहुंचेगी। वहीं गाड़ी संख्या 04397 दौराई-बरेली स्पेशल 23 से 29 दिसंबर तक प्रतिदिन दोपहर 12.15 बजे रवाना होकर अगले दिन सुबह 6.45 बजे बरेली पहुंचेगी।

यह रेल सेवा मार्ग में दिल्ली, जयपुर, फुलेरा, किशनगढ़ एवं अजमेर सहित प्रमुख स्टेशनों पर ठहराव करेगी। इसमें कुल 14 डिब्बे होंगे। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05105 आजमगढ़-अजमेर उर्स स्पेशल 24 दिसंबर को शाम 5.30 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 9.05 बजे अजमेर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05106 26 दिसंबर को रात 9 बजे अजमेर से रवाना होकर अगले दिन रात 11.15 बजे आजमगढ़ पहुंचेगी। इस ट्रेन में कुल 20 डिब्बे लगाए जाएंगे।

■ रेलवे द्वारा उर्स मेले के दौरान अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए निर्णय लिया

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 33 संख्याः 49 प्रभात उदयपुर, शनिवार 20 दिसम्बर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राहुल गांधी ने जी राम जी स्कीम पर प्रहार ही प्रहार किये

'सरकार ने केवल नाम ही नहीं बदला मनरेगा का, बल्कि अधिकार व मांग पर आधारित स्कीम को एक ''राशन'' स्कीम बना दिया, जिसका नियंत्रण दिल्ली के हाथ में है'

- राहुल के अनुसार, मनरेगा ने ग्रामीण मेहनतकश को ''बारगेनिंग पावर'' (बातचीत कर अपनी बात मनवाने का अधिकार) दिया था। सरकार ने ''बारगेनिंग पावर'' खत्म कर दिया।
- राहुल के अनुसार, कोविड के समय हमने देखा था, जब इकॉनमी ठप्प हो गई थी, मनरेगा ने करोड़ों को भूख व कर्ज़े से बचाया था। पर, अब कितना काम उपलब्ध होगा, उसकी सीमा बांध कर सरकार ने काम न देने का नया बहाना दे दिया सरकार को।
- राहुल गांधी ने अंत में सरकार को चुनौती दी कि, मनरेगा गरीबी हटाने व ग्रामीण जनता के सशक्तिकरण का विश्व में सबसे सफल प्रोग्रामों में से एक है और वे सरकार को गरीबों के अंतिम हथियार को खत्म नहीं करने देंगे तथा सभी राज्यों में पंचायत स्तर तक आंदोलन खड़ा कर, सरकार को बाध्य करेंगे कि वह जी जी राम जी विधेयक वापस ले।

- डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। लोकसभा में विपक्षी नेता राहुल गांधी ने आज मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि 20 साल पुरानी मनरेगा योजना को एक दिन में नष्ट कर दिया गया है, उन्होंने नए वीबी जी राम जी विधेयक को ''गांव विरोधी'' करार दिया।

राहुल गांधी ने एक्स पर लिखी एक पोस्ट में कहा, वीबी जी राम जी मनरेगा का काया पलट नहीं है, बल्कि ''बीती रात, मोदी सरकार ने एक ही दिन में 20 साल की मनरेगा को खत्म कर दिया...''

उन्होंने कहा, ''यह अधिकार आधारित, मांग से प्रेरित गारंटी को नष्ट करता है और इसे एक राशनिंग योजना में बदलता है, जिसे दिल्ली से नियंत्रित किया जाता है। इसका डिज़ाइन राज्य और गांव विरोधी है।''

विपक्ष के नेता ने यह भी कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण श्रमिकों को सशक्त किया था और उन्हें मोल-भाव की ताकत दी थी।

गांधी ने कहा, ''जब (ग्रामीण लोगों को) वास्तविक विकल्प मिले तो शोषण और परेशानी से हो रहे पलायन में कमी आई, मजदूरी बढ़ी, कार्य स्थितियाँ बेहतर हुईं, और यह सब ग्रामीण बुनियादी ढांचे के निर्माण और पुनरुद्धार के साथ हुआ। यही वो ताकत है, जिसे यह सरकार तोड़ना चाहती है।''

लोकसभा में विपक्षी नेता ने कहा कि काम की सीमा तय कर और उसे अस्वीकार करने के और तरीके बनाकर, वीबी जी राम जी विधेयक ग्रामीण गरीबों को जो एकमात्र ताकत मिली थी, उसे कमज़ोर कर देता है।

गांधी ने कहा, हमने देखा कि कोविड के दौरान मनरेगा का क्या फायदा हुआ। जब अर्थव्यवस्था बंद हो गई और आजीविका संकट में आ गई, तो इसने करोड़ों लोगों को भूख और कर्ज़ में डूबने से बचाया।''

उन्होंने कहा कि इसने महिलाओं को सबसे अधिक लाभ पहुँचाया। हर साल, महिलाएं आधे से अधिक व्यक्ति दिवसों में योगदान करती थीं।

उन्होंने लिखा, ''जब आप एक रोजगार योजना को राशन करते हैं, तो सबसे पहले महिलाएं, दलित, आदिवासी, भूमिहीन श्रमिक और गरीब तथा ओबीसी समुदाय बाहर हो जाते हैं।''

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'विभागीय पदों पर आरएएस भर्ती-2023 में नियुक्ति नहीं दें'

- हाई कोर्ट ने एक याचिका की सुनवाई करते हुए रोक लगाई।

जयपुर, 19 दिसंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरएएस भर्ती-2023 में विभागीय कर्मचारियों के लिए आरक्षित पदों पर नियुक्ति करने पर रोक लगा दी है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने रोहित कुमार व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया। अदालत ने माना कि प्रकरण में विभागीय पदों पर जातिगत आरक्षण का बिंदु विचारणीय है। ऐसे में यदि सरकार द्वारा इन पदों पर नियुक्ति दी जाती है तो पक्षकारों के हित प्रभावित होंगे।

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने अदालत को बताया कि आरएएस भर्ती-2023 में कुल पदों में से 12.5 फीसदी पद अधीनस्थ कर्मचारियों के लिए आरक्षित रखे गए थे। आरपीएससी की ओर से भर्ती का परिणाम जारी करते समय, विभागीय पदों पर सामान्य कट ऑफ ही जारी की गई, जबकि आयोग को विभाग के आरक्षित वर्ग के कर्मचारियों के लिए अलग से कट ऑफ जारी करनी चाहिए थी। ऐसा नहीं करने से याचिकाकर्ताओं को जातिगत आरक्षण से वंचित किया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

संसद में बहस होती तो प्रदूषण पर नियंत्रण के सख्त उपाय किए जा सकते थे

प्रियंका गांधी, कनिमोई करुणानिधि और बांसुरी स्वराज आदि महिला सांसद इस बात से काफी निराश थीं कि हवा की गुणवत्ता पर बहस नहीं हुई, जबकि अंतिम दिन यह बहस होनी शिड्यूल्ड थी

- दिल्ली पुलिस ने कहा, 12,164 मीट्रिक टन से ज्यादा कचरा उठा है और 2068 किलोमीटर तक सड़कें साफ हुई हैं। पर, विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं।
- विशेषज्ञों का यह भी कहना है, प्रदूषण का स्तर इतना अधिक है कि कठोर कदम उठाने होंगे, जैसे वाहनों, उद्योगों और विद्युत संयंत्रों में बड़े पैमाने पर एमिशन कंट्रोल के उपाय करने होंगे।
- उन्होंने कहा, कुछ सौ वाहनों को कम करने की बजाय दिल्ली में पूरे वर्ष भर प्रदूषण नियंत्रण के गंभीर उपाय करने की जरुरत है। यह तभी संभव था, जब संसद में बहस होती है और इसके पक्ष में वातावरण बनता।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। नई दिल्ली की हवा की गुणवत्ता खतरनाक स्तर की ओर बढ़ती जा रही है, लेकिन इसके बावजूद संसद में इस मुद्दे पर चर्चा नहीं हो सकी। शुक्रवार को शीतकालीन सत्र अचानक समाप्त हो जाने के कारण यह बहस हो ही नहीं पाई।

पिछले कुछ हफ्तों से दिल्ली में वायु गुणवत्ता ''बहुत खराब'' श्रेणी में बनी हुई है, जिसके कारण प्रियंका गांधी, कनिमोई करुणानिधि और बांसुरी स्वराज सहित, कई लोकसभा सांसदों ने इस विषय पर बहस की मांग की थी। उम्मीद थी कि शीतकालीन सत्र के आखिरी दिन इस पर बहस होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इससे पर्यावरण कार्यकर्ताओं और विशेषज्ञों ने सरकार पर हमला बोला है, क्योंकि संसद में चर्चा से प्रदूषण कंट्रोल के लिए सख़्त कदम उठाए जा सकते थे।

दिल्ली ने दिसंबर महीने सन् 2015 में स्टैण्डर्ड मॉनिटरिंग शुरु होने के बाद से अब तक का दूसरा सबसे खराब प्रदूषण देखा है।

हालांकि, दिल्ली सरकार ने ''नो पीयूसी (पोल्यूशन अण्डर कंट्रोल), नो फ्यूल'' जैसे सख्त अभियान चलाए हैं और दिल्ली के बाहर के नॉन बी एस-6 स्टैण्डर्ड वाले वाहनों पर बैन लगाया,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु में 97 लाख मतदाताओं के नाम कटे

चुनाव आयोग ने तमिलनाडु की एसआईआर ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की

- इस वोटर लिस्ट से तमिलनाडु में भारी राजनैतिक विवाद शुरु होने की संभावना है, क्योंकि, सत्तारुढ़ पार्टी द्रमुक पहले से ही एसआईआर का भारी विरोध कर रही थी।
- एसआईआर से पहले तमिलनाडु में 6.41 करोड़ मतदाता थे जो घटकर 5.43 करोड़ ही रह गए हैं। जिन 97 लाख लोगों के नाम काटे हैं उनमें से 27 लाख को चुनाव आयोग ने मृत बताया और 66 लाख के बारे में कहा, ये राज्य से पलायन कर गए हैं तथा 3.4 लाख के नाम अन्य राज्यों में रजिस्टर्ड बताए हैं।
- तमिलनाडु के साथ चुनाव आयोग ने गुजरात की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट भी जारी की, जहां 73 लाख नाम कटे हैं।

चेन्नई/गांधीनगर, 19 दिसंबर। चुनाव आयोग ने आज शुक्रवार, 19 दिसंबर 2025 को तमिलनाडु की स्पेशल इंटेसिव रिवीज़न (एसआईआर) की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की। इस प्रकिया से पहले तमिलनाडु में 6.41 करोड़ वोटर थे, लेकिन प्रकिया के समाप्त होने के बाद लिस्ट के सामने आने से पता चला कि तमिलनाडु में अब 5.43 करोड़ वोटर रह गए हैं।

एसआईआर वोटर लिस्ट की नई सूची से तमिलनाडु में 97 लाख से ज्यादा नाम हटा दिए गए हैं। अब तमिलनाडु के अगले विधानसभा चुनाव में 5.43 लाख करोड़ मतदाता वोट डालेंगे। चुनाव आयोग ने गुजरात की वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट भी जारी किया। गुजरात की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 73 लाख लोगों के नाम काटे गए हैं।

चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से उन लोगों के नाम हटा दिए हैं, जिनकी मौत हो चुकी है, इन लोगों के नाम पिछली वोटर लिस्ट में शामिल थे। वहीं, तमिलनाडु और गुजरात की वोटर लिस्ट से उन लोगों के नाम भी कट चुके हैं, जो ये राज्य छोड़कर कहीं और जाकर बस गए हैं। इसके साथ ही, उन लोगों के नाम भी इस लिस्ट में नहीं हैं, जिनके नाम दो राज्यों की वोटर लिस्ट में रजिस्टर थे।

चुनाव आयोग द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव 25 अप्रैल तक होंगे

- सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय पर हाई कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा।

जयपुर, 19 दिसंबर। सुप्रीम कोर्ट ने प्रदेश की ग्राम पंचायतों व निकायों के चुनाव 15 अप्रैल 2026 तक कराए जाने के संबंध में राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखा है और परिसीमन की कार्रवाई व प्रशासकों की नियुक्ति को चुनौती देने वाली एसएलपी को खारिज कर दिया है। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की खंडपीठ ने ये आदेश संयम लोढ़ा की एसएलपी (स्पेशल लीव पिटिशन) पर दिए।

एसएलपी में राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ के 14 नवंबर 2025 के उस फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसमें परिसीमन की प्रक्रिया को 31 दिसंबर तक पूरा करने और ग्राम पंचायत व निकायों के चुनाव एक साथ 15 अप्रैल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

5 राज्यों को नए चीफ जस्टिस मिलेंगे

सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने 5 वरिष्ठ जजों की हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पद पर नियुक्ति की सिफारिश केन्द्र सरकार को भेजी

- सुप्रीम कोर्ट के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्य कांत का यह पहला बड़ा ''लीडरशिप'' फैसला है।
- उन्होंने उत्तराखंड, मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना हाई कोर्ट के नए चीफ जस्टिस के लिए नामों की सिफारिश की ताकि समय रहते नियुक्ति हो जाए और न्यायिक कार्यों में निरंतरता बनी रहे।
- जिन न्यायाधीशों के नामों की सिफारिश की गई है, वो हैं, जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता, जस्टिस रेवती पी मोहिते डेरे, जस्टिस एम एस सोनक, जस्टिस मुहम्मद मुश्ताक, जस्टिस संगम कुमार साहू।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर। सुप्रीम कोर्ट कोलीजियम ने गुरुवार को उत्तराखंड, मेघालय, झारखंड, सिक्किम और पटना उच्च न्यायालयों में पाँच वरिष्ठ न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति दिये जाने की सिफारिश की है। महत्वपूर्ण न्यायिक नेतृत्व से सम्बन्धित यह कदम न्यायिक ढांचे को मजबूत करने और सेवानिवृत्तियों के बाद निरंतरता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है।

कोलीजियम के इन निर्णयों को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर आधिकारिक रूप से जारी किया गया और औपचारिक कार्रवाई के लिए केन्द्र सरकार को भेजा गया।

यह सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश, सूर्यकांत के कार्यकाल के दौरान लिया गया एक महत्वपूर्ण न्यायिक नेतृत्व निर्णय है, जिन्होंने नवम्बर 2025 में पदभार ग्रहण किया था और अपने पूर्ववर्ती से कार्यभार सँभालने के बाद, न्यायपालिका की कार्यक्षमता और संविधानिक अखंडता को सुनिश्चित करने के लिए सुधारों की दिशा में काम कर रहे हैं।

कोलीजियम ने हाईकोर्ट के इन मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिश की है:

न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता, जो वर्तमान में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में सेवा दे रहे हैं, को उत्तराखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। पदोन्नति की यह सिफारिश उत्तराखंड उच्च न्यायालय के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश के जनवरी 2026 में सेवानिवृत्त होने की संभावना को देखते हुए की गई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति रेवती पी. मोहिटे देरे को मेघालय उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। उनकी नियुक्ति मौजूदा मुख्य न्यायाधीश के स्थानांतरण के कारण की गई है।

बॉम्बे उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम.एस. सोनक को झारखंड उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। यह निर्णय जनवरी 2026 में रिक्त हो रहे पद को देखते हुए लिया गया है।

केरल उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति ए. मुहम्मद मुस्ताक को सिक्किम उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश बनाने की सिफारिश की गई है।

उड़ीसा उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू को पटना उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त करने की सिफारिश की गई है।

ये सिफारिशें पूर्वी, उत्तरी और उत्तर-पूर्वी न्यायिक क्षेत्रों में नेतृत्व के संतुलित बदलाव को दर्शाती हैं।

इस बार रविवार को पेश होगा केन्द्रीय बजट

- असल में बजट हर बार एक फरवरी को पेश होता है इस बार एक फरवरी को रविवार है और रविवार को संसद में अवकाश होता है। पर, संसदीय कार्य मंत्री ने कहा, रविवार से कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बजट एक फरवरी को ही पेश होगा।

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। आगामी एक फरवरी को रविवार होने के बावजूद वित्त वर्ष 2026-27 का बजट लोक सभा में उसी दिन पेश किया जाएगा।

रिजिजू ने संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त होने के बाद संसद परिसर में शुक्रवार को एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बजट एक फरवरी को ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'क्या 100 दिन काम देने की गारंटी के स्थान पर 125 दिन काम देने की गारंटी गलत है'

भाजपा ने जी राम जी विधेयक का विरोध करने वाले राजनीतिक दलों पर ग्रामीण जनता व श्रमिक के हित के बहाने केवल राजनीति करने का आरोप लगाया

- ''क्या अधिक दिन काम देने का वादा, ग्रामीण परिप्रेक्ष्य में खेतों में मजदूरी करने वाले लोगों के खिलाफ हो सकता है।''
- भाजपा नेताओं ने, विशेषकर तृणमूल कांग्रेस पार्टी के, जी राम जी विधेयक के पारित होने पर 12 घंटे के लिए धरने पर बैठे सांसदों को लक्ष्य बनाया और कहा, उनकी ''गुंडागर्दी'' के कारण सदन नहीं चल पाया और दिल्ली में प्रदूषण पर होने वाली सारगर्भित बहस को भी टालना पड़ा।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 19 दिसंबर। भारतीय संसद का शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया है। लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिये गये हैं।

सबसे पहले लोकसभा को, तथा इसके बाद राज्यसभा को स्थगित किया गया।

राज्यसभा की बैठक गत आधी रात के बाद तक चली और वीबी-जी राम-जी विधेयक को ध्वनिमत से पारित किया, जिसे इससे पहले, दिन में लोकसभा द्वारा मंजूरी दी जा चुकी थी।

शुक्रवार को कार्यवाही दोबारा शुरू होने के कुछ ही समय बाद लोकसभा को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। निचले सदन में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर पर चर्चा हुये बिना ही शीतकालीन सत्र समाप्त हो गया।

वीबी-जी राम-जी विधेयक पर बहस के बाद केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि उसने महात्मा गांधी के आदर्शों की इससे पहले भी कई बार हत्या की है।

चौहान ने कहा कि यूपीए शासन के दौरान मनरेगा भ्रष्टाचार से ग्रस्त था और निर्धारित कार्यों के लिए सामग्री की खरीद पर अपेक्षित धनराशि खर्च नहीं की गई।

एक अज्ञात व्यक्ति ने प्रधानमंत्री और विपक्षी सदस्यों के बीच हुई बैठक की जानकारी दी। चर्चा में निर्वाचन क्षेत्र से जुड़े मुद्दे और नए संसद भवन में एक अलग हॉल की मांग शामिल थी। एक वरिष्ठ मंत्री ने स्पष्ट किया कि पुराने संसद भवन में ऐसी ही एक सुविधा थी, जिसका उपयोग यदा-कदा ही होता था।

वीबी-जी राम-जी विधेयक के पारित होने के बाद, तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने संसद में 12 घंटे के धरना-प्रदर्शन की घोषणा की। विरोध प्रदर्शन जारी है और सांसद ''हम होंगे कामयाब'' गीत गा रहे हैं।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि गुरुवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा महात्मा गांधी की एक बार फिर हत्या की गई।

भगत ने कहा, ''उनके (भाजपा) मातृ संगठन ने 1948 में गांधी जी की हत्या की थी और कल मोदी जी की सरकार ने गांधी जी के नाम की हत्या कर दी। सरकार ने ऐसा इसलिए किया है कि उसे उन चीज़ों से चिढ़ (एलर्जी) है, जिनमें गांधी जी और नेहरू जी का नाम आता है। वे उन नामों को मिटा देना चाहते हैं। स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका नकारात्मक रही। इसलिये उन्होंने (भाजपा) ऐसा किया। ग्रामीण अर्थव्यवस्था इस (मनरेगा) पर बहुत निर्भर थी... अगर सरकार चाहती तो खामियों को दूर कर, सुधार कर सकती थी... लेकिन वे तो गांधी जी का नाम हटाना चाहते थे, इसलिए उन्होंने ऐसा किया।

केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने वीबी-जी राम-जी विधेयक को लेकर तृणमूल कांग्रेस के धरना-प्रदर्शन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, ''जिनका मजदूरों से कोई लेना-देना नहीं है, केवल वही वीबी-जी राम-जी विधेयक 2025 का विरोध करेंगे। जो सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं, वही इसका विरोध करेंगे। क्या 100 दिन की जगह, 125 दिन की गारंटी देना गलत है? यह मजदूरों के हित में है। जो इसका विरोध कर रहे हैं, वे मजदूरों के दुश्मन हैं।''

जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ से मिले राहुल

- दोनों नेताओं ने बदलते वैश्विक माहौल में भारत व जर्मनी के संबंध मजबूत करने पर चर्चा की।

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को जर्मनी के पूर्व चांसलर ओलाफ स्कोल्ज़ के साथ मुलाकात कर वैश्विक मामलों, व्यापार और बदलती दुनिया में भारत-जर्मनी संबंधों को मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की।

गांधी ने बर्लिन के हर्टी स्कूल में छात्रों, विद्वानों और शिक्षाविदों को संबोधित करते हुए बदलते विश्व में नेतृत्व, लोकतंत्र और वैश्विक जिम्मेदारी पर चर्चा की। उन्होंने मौजूदा राजनीतिक स्थितियों के साथ ही भारतीय लोकतंत्र की स्थिति पर अपने विचार भी रखे। उन्होंने अपने व्यक्तिगत और राजनीतिक अनुभवों को भी साझा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भोमपुरा गांव की गौशाला में तीन माह में 100 से ज्यादा गौवंश की मौत

दानदाता और रक्षक दलों का आरोप है कि 100 गायों की मौत हुई है, प्रशासन ने 70 की पुष्टि की

- मामले में समेजा कोठी पुलिस थाने में गौशाला अध्यक्ष, मैनेजर व गौशाला कमेटी के अन्य सदस्यों के खिलाफ गौ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कराया

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के रायसिंहनगर क्षेत्र के भोमपुरा गांव की गौशाला में 100 से ज्यादा गाय पिछले तीन महीने में मर चुकी हैं। अब भी 60 गायें तड़प रही हैं, जो जहां है वहीं पड़ी हैं, गर्दन तक नहीं उठा पा रहीं हैं। ठंड, दूषित भोजन और गीला चारा वजह बताई जा रही है।

गौशाला के पीछे पहुंचते ही प्रबंधन की लापरवाही नजर आई, यहां एक के ऊपर एक 70 गायों के शव पड़े मिले। पूछने पर पता चला इन्हें दफनाया जा रहा था। गौसेवकों ने जब मामले का खुलासा किया तो ये काम रोक दिया गया। यहीं कुछ दूर गायों के दफन शव जमीन से झांकते हुए नजर आए। अध्यक्ष बीमारी और घर में बेटे की शादी का बहाना बना कर अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। दानदाता और जो रक्षक दलों का आरोप है कि यहां 100 गायों की मौत हुई है। जबकि प्रशासन ने 70 की पुष्टि की है। मामला भोमपुरा गांव की इच्छापूर्ण गोकुल गौशाला का है।

मुक्तिधाम मुकाम (नोखा) के कथावाचक और दानदाता राजन प्रकाश (36) ने इस मामले में समेजा कोठी पुलिस थाने में आरोपी गौशाला अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई, मैनेजर सुनील व गौशाला कमेटी के अन्य सदस्यों के खिलाफ गौ हत्या के आरोप में मामला दर्ज कराया है। दानदाता राजन प्रकाश ने कहा कि गौशाला को साल में 2 बार अनुदान मिलता है। इस बार भी अनुदान मिला है। मैं खुद इस गौशाला से काफी समय से जुड़ा हूं और 10 महीने पहले मैं यहां व्यक्तिगत 10 लाख रुपए दान दिया था। इसके अलावा मेरे भक्तों ने भी ढाई लाख रुपए गौशाला में डोनेट किए थे। अगर इसमें से आधा पैसा भी गौशाला में लगता तो गौशाला की ऐसी स्थिति नहीं होती और गोवंश की मौत नहीं होती। गौशाला का पूरा पैसा व्यक्तिगत खर्च किया गया है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

गौ रक्षा दल, रायसिंहनगर के अध्यक्ष बबलू भाटी ने बताया कि अक्टूबर महीने में हमने गौशाला की शिकायत की थी। इस दौरान पशुपालन विभाग ने यहां दौरा किया था और अव्यवस्थाएं देख प्रबंधन को 15 दिनों में सुधार के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद भी प्रबंधन ने कोई ध्यान नहीं दिया। इसके बाद सूचना मिली कि बड़ी संख्या में यहां मृत गायों को दफनाया जा रहा है। तब गोरक्षा दल की टीम यहां तहसीलदार हर्षिता और एसडीएम सुभाष चंद्र चौधरी मौके पर पहुंचे। गायों को दफनाने और गौशाला की हालत देख चौंक गए।

बबलू भाटी ने बताया कि यहां 60 गाय मरने की हालत में थी, 100 को दफनाने की तैयारी थी। सर्दी के मौसम में न तो गायों के लिए सूखे चारे की व्यवस्था थी न ही साफ-सफाई। इतनी भयंकर बदबू आ रही थी कि खड़ा रहना भी मुश्किल था।

मामले को लेकर कलैक्टर डॉ. मंजू चौधरी ने कहा कि मामला संज्ञान में आते ही तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की, जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर अशोक कुमार, एसडीएम सुभाष चौधरी और पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक शामिल हैं। माहौल शांत रखने के लिए गौशाला में पुलिस तैनात कर दी गई। नए प्रबंधन की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत प्रशासक रिछपाल बावरी को सौंपी गई है।

कलैक्टर ने बताया कि इसके अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई ने स्वास्थ्य और पारिवारिक कारणों का हवाला देकर अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। प्रथम दृष्टया ठंड और दूषित चारे से गायों की मौत होना सामने आया है। कलैक्टर ने कहा कि हमने गौशाला का निरीक्षण किया है। जिसमें गौशाला प्रबंधन समिति और उसके अध्यक्ष की घोर लापरवाही सामने आई है। जिसके कारण 60 से अधिक गोवंश की मौत हो चुकी है। इसके अलावा कुछ गोवंश बीमार भी हैं। हमने एडीएम अनूपगढ़ की अध्यक्षता में एक कमेटी बनाई है जो पूरे मामले की जांच कर रही है। डॉक्टरों की टीम भी यहां पर मौजूद है। गौवंश का पोस्टमॉर्टम कराया गया है और सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं।

कलैक्टर ने बताया कि राज्य सरकार से इस गौशाला को इस वित्तीय वर्ष में 64 लाख का अनुदान भी मिला है। 2 किस्तों में अनुदान दिया गया है। इस मामले में सरकार की ओर कोई कोताही नहीं है। इस मामले में कमेटी जांच करेगी और जो भी कोई अधिकारी या कर्मचारी भी दोषी पाया गया तो उस पर भी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गौशाला में अब पशुओं को हरे-चारे की व्यवस्था करवा दी है। पुराना चारा या तूड़ी वगैरा है उसको भी नष्ट करवा दिया गया है। साथ ही खराब चारे के उसके सैंपल भी लिए जा चुके हैं जो जांच के लिए भेजे जाएंगे। गौशाला के अंदर गीली मिट्टी व कीचड़ को भी साफ कराया गया है।

गौशाला 2014 से चल रही थी 2016 से पालाराम बिश्नोई अध्यक्ष थे। उन्होंने मामले को लेकर कहा कि मेरा स्वास्थ्य खराब है, घर में बेटे की शादी में व्यस्त था, इसलिए गौशाला में समय नहीं दे पाया। चारे की व्यवस्था भी थी। यहां करीब 75 गोवंश की मौत हुई है। इसकी वजह ठंड हो सकती है। मामला गरमाने पर इस्तीफा दिया है।

पशुपालन विभाग के डिप्टी डायरेक्टर संजीव मलिक ने कहा कि पशुओं की मौतें शरीर में वीकनेस और ठंड की वजह से हुई है। इसके साथ ही इन्हें दूषित चेहरा देने की बात भी सामने आ रही है। मृत पशुओं के सैंपल लिए गए हैं। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट की रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा। कलेक्टर की ओर से टीमें भी लगाई हैं। पशु चिकित्सकों की टीम गोवंशों की देखभाल कर रही है।

दो पक्षों में हुए झगड़े में एक नाबालिग की हत्या

डीग/भरतपुर, (निसं)। जुरहरा थाना क्षेत्र के ग्राम अहलवाड़ी में शुक्रवार को दो पक्षों में हुए झगड़े में एक नाबालिग लड़के की जान चली गई। गांव के दो पक्षों में बिजली की टंकी को लेकर शुरू हुए विवाद ने इतना बड़ा रुप ले लिया कि एक पक्ष के लोगों ने दूसरे पक्ष के नाबालिग लड़के के सिर में कुल्हाड़ी से वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक के शव का जुरहरा के राजकीय किरोड़ीलाल स्वर्णकार अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को सौंप दिया गया है। वहीं मृतक के पिता ने नामजद लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कराया है। घटना की सूचना पर एएसपी कामां व सीओ कामां ने ग्राम अहलवाड़ी का दौरा कर घटना के संबंध में जानकारी लेकर जुरहरा थाना पुलिस को निर्देश दिए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अहलवाड़ी में दो दिन पहले गुम हुए चार साल के बच्चे की हत्या का मामला अभी शांत नहीं हुआ है और शुक्रवार को फिर से गांव में एक और नाबालिग की हत्या ने सभी को चौंका दिया है। जुरहरा कस्बा सहित ग्रामीणांचल में ग्राम अहलवाड़ी में हुए दोनों हत्याकांडों की चर्चा आम हो गई है। शुक्रवार को कुल्हाड़ी के वार से हुई हत्या के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक के पिता शाकिर पुत्र रमजानी मेव निवासी ग्राम अहलवाडी ने जुरहरा थाने में मामला दर्ज कराकर बताया कि वह व उसका भतीजा आदिल बिजली कनेक्शन की फाईल लगाकर बिजली कनेक्शन लेने व बिजली टंकी को सही कराने के बारे में बात कर रहे थे तभी गांव के ही अख्तर पुत्र कालू ने वहां आकर बेवजह उनके साथ गाली-गलौच करनी शुरू कर दी। इसके कुछ देर बाद ही अख्तर व उसके परिजन लाठी-डंडा, कुल्हाडी एवं सरिया लेकर उनके घर आ गए। जिन्होंने घर के बाहर बैठे उसके 16 वर्षीय नाबालिग पुत्र दानिश पर जानलेवा हमला कर दिया, जिसमें उसके सिर में गम्भीर चोट आ गई। इस दौरान आरोपी पक्ष ने पथराव भी किया जिससे उसके और भी परिजनों को चोटें आई हैं। शिकायत में बताया गया है कि गम्भीर हालत के कारण दानिश को जुरहरा चिकित्सालय से भरतपुर रैफर किया गया, लेकिन भरतपुर ले जाते समय उसने रास्ते में ही दम तोड दिया।

जुरहरा थानाधिकारी अमित चौधरी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है। आरोपी मौके से फरार हैं, जिनकी तलाश के लिए टीम गठित कर दी गई है। गांव में एहतियात के तौर पर पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जायेगी।

अहलवाड़ी हत्याकांड में मृतक के पिता के द्वारा पुलिस में दर्ज कराये गये मामले में अख्तर पुत्र कालू, इसलाम पुत्र कालू, जाबिदा पत्नी अख्तर, फरमान पुत्र मुस्तुफ, अरसीदा पत्नि मुसद्दी, सकूनत पुत्री इस्लाम, असलम पुत्र भूरू, मुबीन पुत्र हमीदा, धौली पत्नी शैकुल, साहिदा पत्नी जुबेर, सहवाना पुत्री अख्तर, आईफा पुत्री मुसद्दी व बरफीना पत्नी मुबारिक को आरोपी बनाया गया है।

अवैध रूप से रह रहे नाइजीरियाई नागरिक को डिटेंशन सेंटर भेजा

- नाइजीरियाई नागरिक अब्दुल बासित अयूबा मुहम्मद ने वर्ष 2023 में भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर में बीएससी आईटी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था
- जांच में सामने आया कि वह नियमित रूप से विश्वविद्यालय में उपस्थित नहीं रहा, न ही परीक्षाओं में शामिल हुआ

अजमेर, (निसं)। राज्य सरकार एवं पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार अवैध रूप से निवास करने एवं ओवरस्टे कर रहे विदेशी नागरिकों के विरुद्ध चलाए जा रहे संयुक्त अभियान के तहत सीआईडी (विशेष शाखा) अजमेर द्वारा एक नाइजीरियाई नागरिक के खिलाफ कार्रवाई की है। कार्रवाई के तहत संबंधित विदेशी नागरिक को डिटेंशन सेंटर, अलवर भेजा गया।

सीआईडी (विशेष शाखा) अजमेर के एएसपी राजेश मीना ने बताया कि नाइजीरियाई नागरिक अब्दुल बासित अयूबा मुहम्मद ने वर्ष 2023 में भगवंत विश्वविद्यालय, अजमेर में बीएससी आईटी पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया था। जांच में सामने आया कि वह नियमित रूप से विश्वविद्यालय में उपस्थित नहीं रहा, न ही परीक्षाओं में शामिल हुआ। इसके बावजूद वीजा की वैधता समाप्त होने के बाद भी वह लगातार ओवरस्टे करता रहा, जो वीजा नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है। विदेशी छात्र की अनियमित गतिविधियों एवं वीजा नियमों के उल्लंघन को देखते हुए सीआईडी द्वारा प्रकरण की जांच की गई। जांच में आरोप प्रमाणित पाए जाने पर गृह विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संबंधित नाइजीरियाई नागरिक को उसके देश डिपोर्ट किए जाने तक डिटेंशन सेंटर में निरुद्ध रखने के आदेश जारी किए गए। इन आदेशों की पालना में शुक्रवार को पुलिस गार्ड के साथ उक्त नाइजीरियाई नागरिक को डिटेंशन सेंटर, अलवर भेजा गया।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी वीजा नियमों का उल्लंघन करने एवं ओवरस्टे पाए जाने वाले विदेशी नागरिकों की पहचान कर उन्हें भारत से डिपोर्ट किया जाएगा तथा ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही अवैध या ओवरस्टे विदेशी नागरिकों को शरण देने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भी विधिक कार्रवाई की जाएगी। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, सीआईडी (विशेष शाखा) एवं विदेशी पंजीकरण अधिकारी, अजमेर शहर एवं पुष्कर के निर्देशन में की गई।

थाईलैंड से पार्सल में आया अवैध नशीला पदार्थ जब्त

- जब्त हाइड्रोपोनिक वीड की कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए मुखबिर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों ने एफपीओ कस्टम्स जयपुर में थाईलैंड से आए एक इंटरनेशनल पार्सल की तलाशी ली तो तलाशी के दौरान टीम को पार्सल में 0.650 किलोग्राम अवैध हाइड्रोपोनिक वीड बरामद हुआ।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि थाईलैंड से एफपीओ कस्टम्स में आए एक पार्सल में खाने की चीजों के साथ छिपाकर अवैध हाइड्रोपोनिक वीड होने का शक है। उक्त सूचना पर केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सी.बी.एन) जयपुर सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और उस पार्सल की तलाशी के लिए एफपीओ जयपुर भेजा गया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि तलाशी के दौरान टीम को हाइड्रोपोनिक वीड की तीन अलग-अलग पैकेट मिले, जिनका नाम सुपरबूफ (कैलिफोर्निया, यूएस का ओरिजिन) जिसका वजन 0.320 किलोग्राम, द किलर क्वीन (ब्रिटिश कोलंबिया का ओरिजइन) जिसका वजन 0.110 किलोग्राम और द आइसक्रीम केक (वेस्ट कोस्ट, यूएस का ओरिजिन) जिसका वजन 0.220 किलोग्राम था, यानी कुल 0.650 किलोग्राम अवैध हाइड्रोपोनिक वीड पार्सल चिप्स के पैकेट के नीचे छिपा हुआ बरामद किया गया।

उप नारकोटिक्स आयुक्त ने बताया कि जब्त किए गए हाइड्रोपोनिक वीड की अवैध बाजार में कीमत लगभग 1 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। कानूनी औपचारिकताएँ पूरी करने के बाद बरामद हाइड्रोपोनिक वीड को एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त कर लिया गया है। आगे की जांच प्रक्रिया जारी हैं।

जयपुर निवासी छात्र की नहर में गिरने से मौत

- कोटा में रहकर सेल्फ स्टडी कर नीट की तैयारी कर रहा था छात्र

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी थाना इलाके में गुरूवार शाम को नहर में डूबे छात्र का शव शुक्रवार को नान्ता क्षेत्र में मिला। छात्र की तलाश में जुटी निगम गोताखोर टीम व एसडीआरएफ टीम ने नान्ता इलाके से नहर में शव को बरामद कर नान्ता पुलिस को सौंपा।

गुरूवार शाम को छात्र दोस्तों के साथ घूमने निकला था और कुन्हाड़ी इलाके में नहर में हाथ धोने के लिये उतरा था, लेकिन पैर फिसलने से छात्र नहर में बह गया। सूचना पर कुन्हाड़ी पुलिस व नगर निगम की गोताखोर टीम मौके पर पहुंची। सूचना पर एसडीआएफ टीम भी पहुंची और छात्र की तलाश के लिये रेसक्यू अभियान चलाया। कुन्हाड़ी थानाधिकारी मांगेलाल यादव ने बताया कि नहर में डूबे छात्र की तलाशी के लिये गोताखोर और एसडीआरएफ टीम द्वारा अभियान चलाया गया। थानाधिकारी ने बताया कि रात्रि को अभियान बंद कर शुक्रवार सुबह से छात्र की तलाश के लिये रेसक्यू अभियान चलाया गया और नान्ता क्षेत्र में छात्र का शव बरामद हुआ। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक छात्र जयपुर निवासी लोकेश कुमावत था, सूचना पर परिजन भी कोटा पहुंच गये थे। छात्र कोटा में रहकर सेल्फ स्टडी कर नीट की तैयारी कर रहा था। नान्ता थानाधिकारी चेतन कुमार ने बताया कि नहर में डुबे छात्र का शव बरामद हुआ। मृतक छात्र के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया।

ट्रक यूनियन की जमीन पर जेसीबी से अवैध प्लॉटिंग तोड़ी

- साकेत नगर योजना से लगती ट्रक यूनियन की करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर कार्रवाई की

अलवर, (निसं)। अलवर यूआईटी ने एक बार फिर शुक्रवार को दिवाकरी के निकट साकेत नगर योजना से लगती ट्रक यूनियन की करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर अवैध प्लॉटिंग तोड़ दी। 4-4 जेसीबी ले जाकर दीवारों को ढहाया गया। ग्रेवल रोड भी उखाड़ी। पहले भी इसी जगह पर अवैध प्लॉटिंग को यूआईटी ध्वस्त कर चुकी है।

अलवर यूआईटी ने ट्रक यूनियन की जमीन पर अवैध प्लॉटिंग को जेसीबी तोड़ दिया।

अलवर यूआईटी के अतिक्रमण निरोधक अधिकारी मानवेंद्र जायसवाल ने बताया कि अलवर में दिवाकरी के निकट चंद्रमोली मोटर्स के पीछे बड़ी जमीन पर अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। मौके पर करीब 25 से 30 बीघा जमीन पर ग्रेवल रोड डाल दी थी। इसके अलावा काफी प्लॉट की बाउंड्री हो चुकी थी।

इसे पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। यहां पहले भी यूआईटी के दस्ते ने अतिक्रमण हटाया था। यहां मौके पर तसीलदार मानवेंद्र जायसवाल, जेईएन दौलत, अमीचंद व रोहित सहित यूआईटी की टीम पुलिस जाब्ते के साथ पहुंची थी।

अलवर जिला परिषद की ओर से की गई लिपिक भर्ती में बड़ा खुलासा

- न वेटिंग लिस्ट में नाम, न दस्तावेज जमा कराए, फिर भी बन गए लिपिक

अलवर, (निसं)। अलवर जिला परिषद की ओर से करीब तीन साल पहले की गई 134 लिपिकों की भर्ती में एक और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। दो केस ऐसे सामने आए हैं, जिन्होंने लिपिक बनने के लिए आवेदन तो किया, लेकिन उनका नाम न प्रतीक्षा सूची में था और न ही उन्होंने अपने दस्तावेज जमा कराए। नौकरी मिलने के तीन साल बाद अब इस मामले का खुलासा हुआ है, जो जांच अधिकारी एडीएम सिटी बीना महावर के पास पहुंचा है। बताते हैं कि उन्होंने दस्तावेज तलब किए हैं।

लिपिक भर्ती के तहत प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए कुल 286 लोगों की तरफ से आपत्ति दायर की गई थी। आपत्ति निराकरण सूची में शामिल 189 और 224 नंबर पर दर्ज आपत्ति को आपत्ति निराकरण समिति ने इनके प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने की आपत्ति को यह कहकर खारिज कर दिया कि इनके प्राप्तांक तीन गुना कट ऑफ में नहीं आते। इसी वजह से इन दोनों अभ्यर्थियों को प्रतीक्षा सूची में शामिल नहीं किया गया और न ही दस्तावेज सत्यापन का मौका दिया गया। इसके बाद जिला परिषद की ओर से 24 नवंबर 2022 को जारी आदेश में एक महिला अभ्यर्थी को मालाखेड़ा और 30 दिसंबर को जारी आदेश में पुरुष अभ्यर्थी को रामगढ़ पंचायत समिति में लिपिक पद पर नियुक्ति दे दी गई।

एडीएम सिटी को जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी (एसीईओ) आरती गुप्ता की ओर से करीब दो माह पहले भेजी गई रिपोर्ट में यह बताया गया है कि इन दोनों ने प्रतीक्षा सूची में नाम जोड़ने के लिए आपत्ति दी थी, लेकिन अपात्र होने के कारण इनका नाम दस्तावेज सत्यापन की सूची में नहीं था और इन्होंने अपने दस्तावेज इस कार्यालय में जमा भी नहीं कराए। सबसे खास बात यह है कि जिस आवेदन क्रमांक पर महिला अभ्यर्थी की आपत्ति खारिज की गई, उस आवेदन क्रमांक के स्थान पर दूसरे आवेदन क्रमांक को बदलकर महिला को नौकरी दे दी गई। दोनों आवेदन पर आवेदक का नाम, पिता का नाम, जन्मतिथि और प्राप्तांक समान हैं। जांच अधिकारी एडीएम सिटी बीना महावर की ओर से इनके दस्तावेज तलब किए गए हैं। ऐसे ही करीब 15 और अभ्यर्थी हैं, जिनके दस्तावेज एडीएम सिटी ने मंगवाए हैं। इनको ज्यादा नंबर होने के बावजूद नौकरी नहीं दी गई।

डीडवाना : अज्ञात कारणों से दर्जनों गौवंश की मौत

- गौशाला प्रबंधन की ओर से खेत में ही गड्ढा खोदकर गायों को दफन किया जा रहा है

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना जिला मुख्यालय स्थित श्री गोपाल गौशाला में एक बार फिर गौवंश की मौत का मामला सामने आया है। गौशाला में अब तक दर्जनों गोवंश की अकाल मौत हो चुकी है। हैरत की बात तो यह है कि गौशाला प्रबंधन द्वारा गौवंश की मौत का कारण जाने बिना ही मृत गायों को खेत में ही गड्ढा खोदकर गुपचुप दफन किया जा रहा है।

यह गौशाला शहर से बाहर स्थित होने की वजह से गौवंश की मौत का लोगों को पता नहीं चल पाया, लेकिन मृत गौवंश की आसपास के क्षेत्र में बदबू फैली तब लोगों को गौवंश की मौत का पता चला। इसके बाद आसपास के लोगों ने गौशाला में जाकर देखा, तो खेत में जगह जगह गाय बछड़ा और नंदी मरे पड़े मिले। वहीं कई गौवंश को अलग-अलग जगह गड्ढे खोदकर दफन कर दिया गया। हालांकि मौत के कारण अब तक अज्ञात है। गायों में मौत की वजह कोई अज्ञात बीमारी है या भूख की वजह से गाये मर रही है। आरोप है कि गौशाला प्रबंधन द्वारा इन मौतों की सूचना समय पर पशुपालन विभाग को नहीं दी गई और मृत गौवंश को जेसीबी से गड्ढे खुदवाकर खेतों में चुपचाप दफनाया गया।

स्थानीय लोगों का दावा है कि अब तक सैकड़ों गौवंश को गुपचुप तरीके से दफनाया जा चुका है, सितंबर माह में भी अज्ञात कारणों से सैकड़ों गौवंश की मौत हुई थी। गौवंश की मौत किन कारणों से हुई, यह फिलहाल जांच का विषय बना हुआ है।

तीन भाइयों व भतीजे की मौत की खबर से मातम पसरा

टोंक, (निसं)। शहर में सभी की आंखें उस समय नम हो गई, जब तीन भाइयों और उनके भतीजे की मौत की खबर मिली, सूचना के बाद मृतकों के घरों में चीख-पुकार मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुख्यालय के बड़ा कुआं क्षेत्र में राज टॉकीज रोड स्थित विवेकानंद स्कूल के पीछे रहने वाले एक ही परिवार के पांच लोग गुरुवार शाम क्रेटा कार से कोटा अपने रिश्तेदार के पोते के जन्मदिन की पार्टी में जा रहे थे। घटना बूंदी स्थित जयपुर-कोटा नेशनल हाईवे 52 के सिलोर पुलिया पर गुरुवार की शाम को हुई, हादसे के दौरान कार पर बजरी से भरा डंपर पलट गया।

इससे एक भाई ने तो खिड़की से कूदकर अपनी जान बचा ली जबकि तीन भाई और उनके एक भतीजे की डंपर के नीचे दबने से कार में ही मौत हो गई। बाद में देर रात्रि को तीनों भाई और भतीजे का शव घर आया तो चीख-पुकार मच गई। मृतकों में फरीउद्दीन, अजीरूद्दीन, मोइनुद्दीन तीन भाई व भतीजा सेफुद्दीन थे। इनमें सेफुद्दीन का पिता वसीउद्दीन सड़क हादसे में कार की खिड़की खुलने से बच गया। शुक्रवार की सुबह पूरे मोहल्लेवासी मृतकों के घर पहुंचे और परिजनों को संभाला तथा इसके बाद जनाजा निकाला गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसा तेज रफ्तार से आ रहे डंपर का आगे का टायर अचानक फटने डंपर असंतुलित होकर कार पर पलट गया, जिससे एक व्यक्ति को छोड़कर चारों लोग डंपर और बजरी के नीचे दब गए, जिससे उनकी मौत हो गई। बाद में मौके पर मौजूद राहगीरों व थाना पुलिस द्वारा सभी को बाहर निकाला जा सका।

यूरिया संकट पर कृषि मंत्री को पत्र लिखा

भीलवाड़ा, (निसं)। प्रदेश में पिछले छह माह से गहराए यूरिया खाद के संकट और किसानों को हो रही भारी असुविधा को लेकर भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा को पत्र लिखकर ठोस कदम उठाने की मांग की है। विधायक कोठारी ने पत्र के माध्यम से खाद वितरण प्रणाली में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुझाव दिए हैं, जिसमें खाद की सब्सिडी सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजने का प्रस्ताव प्रमुख है।

विधायक कोठारी ने कृषि मंत्री का ध्यान आकर्षित करते हुए बताया कि सहकारी समितियों और विक्रेताओं के पास लंबी कतारों के बावजूद पात्र किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि कम भूमि वाले लोग लाइनों में लगकर खाद ले लेते हैं और बाद में उसे ऊंची दरों पर बेच देते हैं। इससे वास्तविक किसान खाद से वंचित रह जाते हैं और कालाबाजारी को बढ़ावा मिल रहा है। विधायक कोठारी ने समाधान के लिए सुझाव दिए,जिनमें खाद की बिक्री को किसान की फार्मर आईडी से जोड़ा जाए, जो मोबाइल और आधार लिंक हो। इससे विक्रेता को पता चल सकेगा कि किसान के पास कितनी भूमि है और उसे पहले कितना खाद मिल चुका है। जिन किसानों की आईडी बनी हुई है, उन्हें खाद खरीदने में प्राथमिकता दी जाए।

मवेशी काटने का वीडियो वायरल, पोटला ग्राम में बवाल

हिंदू संगठनों और ग्रामीणों ने दुकानें बंद करा दी और सड़कों पर प्रदर्शन किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के पोटला गांव में बागरिया समुदाय के लोगों द्वारा मवेशी काटने का आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से तनाव चरम पर पहुंच गया। हिंदू संगठनों और ग्रामीणों ने बाजार और दुकानें बंद करा दी और सड़कों पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने आरोपी परिवारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और तत्काल गिरफ्तारी की मांग उठाई है।

घटना की शुरुआत पोटला निवासी गोवर्धन बागरिया के घर पर एक शादी समारोह से हुई। परिवार के सदस्यों ने बताया कि घरेलू कार्यक्रम के दौरान भैंस (मवेशी) काटा गया था। गोवर्धन के भांजे रतनलाल बागरिया ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसमें मवेशी की गरदन लहराते हुए दिखाया गया। वीडियो वायरल होते ही गांव में आक्रोश फैल गया। पोटला में बागरिया समुदाय के मात्र 15 से 25 परिवार निवास करते हैं, लेकिन इस वीडियो ने पूरे इलाके का माहौल गरमा दिया। ग्रामीणों और हिंदू संगठनों ने सुबह से ही सड़कों पर उतरकर नारेबाजी शुरू कर दी।

आक्रोशित लोगों ने पोटला ग्राम के बाजार बंद करवा दिये।

बाजार पूरी तरह ठप हो गया, जबकि भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। गंगापुर एसडीएम, पुलिस उपाधीक्षक सहित जाब्ता मौके पर पहुंचा और प्रदर्शन को शांतिपूर्ण ढंग से नियंत्रित करने का प्रयास कर रहा है। प्रशासन ने स्थिति पर नजर रखी हुई है।

मुख्यमंत्री आज मांडलगढ़ का दौरा करेंगे

भीलवाड़ा, (निसं)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा 20 दिसंबर को भीलवाड़ा जिले के मांडलगढ़ का दौरा करेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, माँडलगढ़ में आयोजित ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन करेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा हेलीकॉप्टर द्वारा मांडलगढ़ पहुंचेंगे और ग्रामीण समस्या समाधान शिविर में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री शर्मा के इस दौरे से जिले के लोगों में काफी उत्साह है। मुख्यमंत्री के दौरे के दौरान जिले के अधिकारी और कर्मचारी भी मौजूद रहेंगे। इस दौरे के दौरान मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा जिले के विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।

- ग्रामीण समस्या समाधान शिविर का अवलोकन करेंगे सीएम

तीन बूथ लेवल अधिकारी निलम्बित

टोंक, (निसं)। विधानसभा क्षेत्र टोंक (96) में कार्य में लापरवाही बरतने, कर्तव्य पर उपस्थित नही होने व आदेशों की अवहेलना करने के कारण तीन बूथ लेवल अधिकारी को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी, उपखण्ड अधिकारी टोंक हुक्मीचन्द रोहलानिया ने निलम्बित कर दिया।

उपखण्ड अधिकारी टोंक ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र टोंक में नव सृजित मतदान केन्द्रो पर नियुक्त किये गये 3 बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा कर्तव्य पर उपस्थित नहीं होने पर राजकीय दरबार उमावि टोंक के सहायक प्रशासनिक अधिकारी सौरभ जैन, राउमावि मालियों की झोपड़िया मेहन्दवास के कनिष्ठ सहायक लोकेश झारोटिया व राउप्रावि शुक्लपुरा हथोना प्रबोधक इसरार अहमद को निलम्बित किया गया है। निलम्बन उपरान्त तीनों कार्मिकों का मुख्यालय तहसील कार्यालय टोंक रखा गया है।

160 करोड़ की ऑनलाइन ठगी का पर्दाफाश, आरोपी को गुजरात से पकड़ा

बदमाश को पकड़ने के लिए पांच पुलिसकर्मी सिर पर साफा और पगड़ी पहनकर शादी में पहुंचे थे

- **दोस्त की शादी के बाद विदेश भागने वाला था बदमाश, लोगों को झांसे देकर 450 से ज्यादा फर्जी बैंक खाते खुलवाए**
- **दूसरे साथी इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल को पुलिस ने सागवाड़ा में उसके घर से दबोचा**

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर पुलिस ने देशभर में 160 करोड़ की ऑनलाइन ठगी के रैकेट का भंडाफोड़ किया है। लोगों को झांसे में लेकर 450 लोगों के फर्जी खाते खुलवाने वाले शातिर बदमाश कौशल कुम्हार को गुजरात के दाहोद में एक मैरिज गार्डन से दबोचा। उसे पकड़ने के लिए 5 पुलिसकर्मी सिर पर साफा और पगडी पहनकर शादी में पहुंचे थे। दूसरे साथी इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल को सागवाडा में उसके घर से दबोचा। इन दोनों आरोपियों ने फर्जी खाते खुलवाकर दुबई बैठे 3 शातिर ठगों को दिए। दुबई और जॉर्जिया बैठे ठगों ने देशभर में 160 करोड़ रुपए ठगी की वारदात को अंजाम दिया। यह शातिर ठग देश से बाहर दुबई में बैठे हैं। ऐसे में विदेशों में बैठे महाठगों को पकड़ने के लिए पुलिस मुख्यालय से संपर्क कर प्रयास किए जा रहे हैं। डूंगरपुर साइबर सेल की एक स्पेशल टीम जिसमें 5 पुलिसकर्मी शामिल थे, ये सभी शेरवानी, सिर पर साफा और पगड़ी पहनकर गुजरात के दाहोद लिमडी में एक बारात में पहुंचे। वहां शातिर ठग कौशल कुम्हार को दबोच लिया।

जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने बताया कि सायबर ठगी की जांच के दौरान एक शातिर आरोपी कौशल कुम्हार के गुजरात में एक शादी समारोह में जाने की सूचना मिली। इस पर साइबर सेल की एक स्पेशल टीम को गुजरात के लिए भेजा। आरोपी कौशल गुजरात के दाहोद लिमडी में एक दोस्त की शादी में था। कौशल कुम्हार को वहां देखते ही पुलिस ने उसे दबोच लिया। पुलिस को देखते ही कौशल और बारातियों के होश उड़ गए। जिला पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कौशल भी अपने दूसरे साथियों की तरह शादी के बाद विदेश भागने के फिराक में था। पुलिस ने उससे पूछताछ की तो उसने अपने साथ इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल निवासी सागवाड़ा के बारे में बताया। पुलिस ने भी उसे पकड़ लिया। कौशल कुम्हार और इलेश पटेल ने पुलिस को बताया कि दोनों मिलकर देशभर में लोगों को झांसे में लेकर 450से ज्यादा फर्जी बैंक खाते खुलवाए हैं। ये बैंक खाते उन्होंने विदेश दुबई में बैठे महाठग साथी घनश्याम, वरुण और उपेंद्र को दिए। उन्होंने दुबई में बैठकर देशभर में लोगों से 160 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की वारदातों को अंजाम दिया है। इनका एक साथी जॉर्जिया में है। एसपी मनीष कुमार ने गुजरात में कार्रवाई करने वाली डूंगरपुर साइबर सेल की स्पेशल टीम को सम्मानित भी किया।

एसपी ने बताया कि आरोपी कौशल कुम्हार डूंगरपुर के एक प्राइवेट बैंक में नौकरी करता था। वह बैंक खाते खुलवाता था। शहर में सार्वजनिक जगहों पर, कॉलेज के सामने और सडक किनारे केनोपी लगाकर बैंक खाते खुलवाए। इलेश पटेल उर्फ निलेश कलाल भी बैंक के खाते खुलवाने का ही काम करता था। गरीब, मजदूर और स्कूल कॉलेज के छात्रों को सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलानेए पेन कार्ड बनवाने, छात्रवृत्ति का झांसा देकर उनके डॉक्यूमेंट ले लिए। इसमें सबसे ज्यादा कॉलेज छात्र छात्राओं के खाते खुलवाए। उनके नाम से इंडसइंड बैंक एचडीएफ सी बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र, स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बडौदा ओर अन्य कई बैंकों में फर्जी खाते खुलवाए। जिनसे बाद में ऑनलाइन फर्जी लेनदेन हुआ। खुद बैंककर्मी होने का फायदा उठाकर उनके खाते के चेक बुक, एटीएम कार्ड भी अपने पास रख लिए।

एसपी ने बताया कि इलेश और कौशल ने लोगों को झांसे में लेकर बैंक खाते खुलवाकर अपने साथी घनश्याम कलाल निवासी सीमलवाडा, वरुण कलाल निवासी पीठ, उपेन्द्र कलाल निवासी मोदर-बिछीवाडा और डैनी पुत्र नटवर लाल निवासी अहमदाबाद को दिए। घनश्याम, वरुण और उपेंद्र तीनो अभी दुबई में है, जबकि डेनी नटवरलाल अभी जॉर्जिया में है। चारों ने मिलकर लोगों के खातों में करोडों के ठगी का खुलासा हुआ है।

कांग्रेस नेता पर हमले के मामले में पूर्व मंत्री का बेटा गिरफ्तार

- **पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे सुरेंद्र भड़ाना सहित दो साथियों को गिरफ्तार किया**
- **गुरुवार को संदीप ओला के साथ मारपीट की गई थी**

अलवर, (निसं)। अलवर में कांग्रेस नेता एवं यूथ कांग्रेस पदाधिकारी संदीप ओला पर हुए हमले के मामले में शिवाजी पार्क थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की है। पुलिस ने शुक्रवार को पूर्व मंत्री हेमसिंह भड़ाना के बेटे सुरेंद्र भड़ाना सहित उसके दो साथियों को गिरफ्तार किया है।

मामला शिवाजी पार्क थाना क्षेत्र का है, जहां गुरुवार को संदीप ओला के साथ मारपीट की गई थी। पीड़ित ने आरोप लगाया था कि सुरेंद्र भड़ाना सहित 10 से 15 युवकों ने लाठी-डंडों से हमला किया था। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। पुलिस को दी रिपोर्ट में पीड़ित ने बताया था कि गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे वह हसन खां मेवात नगर स्थित एक चाय की दुकान पर चाय पी रहा था।

इसी दौरान सचिन पटेल निवासी तिजारा फाटक का फोन आया, जिसने मिलने की बात कही। संदीप ने उसे चाय की दुकान पर बुला लिया। कुछ देर बाद सचिन पटेल 5-6 बाइकों पर सवार 10-15 युवकों के साथ वहां पहुंचा, तभी सुरेन्द्र भड़ाना भी एक कार से मौके पर आया। आरोप है कि सुरेन्द्र भड़ाना ने संदीप से दो हजार रुपए मांगे। इनकार करने पर आरोपियों ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया और फोन-पे का पासवर्ड पूछने लगे। उसने पासवर्ड बताने से मना किया, तो आरोपियों ने उसका मोबाइल तोड़ दिया और उसकी जेब से एक हजार रुपए निकाल लिए।

विरोध करने पर सुरेन्द्र, अज्जू खान निवासी किशनगढ़, नत्थू खटीक, सचिन पटेल और सचिन गुर्जर सहित 7-8 युवकों ने लाठी-डंडों से उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे वह बेहोश हो गया, जिसे राहगीरों ने अस्पताल पहुंचाया। उसके नाक, घुटने, हाथ व कमर पर चोटें आई हैं।

हादसे में घायल युवक की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। एनएच 158 पर अंटाली मोड़ के पास बुधवार को एक सड़क हादसे में घायल युवक शैतान सिंह ने एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मांडल थाना प्रभारी रोहिताश्व ने बताया कि शैतान सिंह बाइक पर सवार होकर जा रहे थे, जब तेज रफ्तार कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में शैतान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें तुरंत एमजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनकी जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन चोटों की गंभीरता के कारण वे बच नहीं सके। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मांडल थाना प्रभारी ने बताया कि एनएच 158 पर वाहनों की तेज गति और लापरवाही से हादसे बढ़ रहे हैं। उन्होंने लोगों से सावधानी बरतने और स्पीड लिमिट का पालन करने की अपील की। पुलिस जांच जारी है।

पंजाब नैशनल बैंक (भारत सरकार का उपक्रम) pnb punjab national bank (Govt. of India Undertaking)

अंचल कार्यालय - जयपुर
निविदा आमंत्रण

नेहरु प्लेस बिल्डिंग जोनल ऑफिस जयपुर में स्थापित फायर डिटेक्शन, फायर अलार्म सिस्टम, पब्लिक एड्रेस, फायर फाइटिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर सिस्टम सहित संचालन और रखरखाव (गैर-व्यापक) के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए निविदा। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) नेहरु प्लेस बिल्डिंग जोनल ऑफिस जयपुर 302015 में फायर डिटेक्शन, फायर अलार्म सिस्टम, पब्लिक एड्रेस, फायर फाइटिंग सिस्टम, स्प्रिंकलर सिस्टम की 24 घंटे की व्यवस्था सहित संचालन और रखरखाव (गैर-व्यापक) के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध के लिए ऑनलाइन निविदाएं (GeM पोर्टल पर दो बोली प्रणाली) उन बोलीदाताओं से आमंत्रित करता है जो निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं। पात्रता मानदंड, नियम और शर्तें, उपकरण पैनलबद्ध दस्तावेज़ में उल्लिखित हैं। इच्छुक बोलीदाता अपना आवेदन निर्धारित प्रपत्र पर GeM पोर्टल पर निविदा संख्या BID NO: GEM/2025/B/7021866 के साथ 02.01.2026 को 1200 बजे तक या उससे पहले जमा कर सकते हैं। निविदा दस्तावेज़ GeM पोर्टल से डाउनलोड किया जा सकता है https://gem.gov.in

उप महाप्रबंधक

घरेलू विवाद में पत्नी ने पति की हत्या की

- **घटना के बाद आरोपी महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया**
- **आरोपी महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है**

रावतभाटा, (निसं)। रावतभाटा थाना क्षेत्र के थमलाव गांव में शुक्रवार को एक दर्दनाक घटना सामने आई। पारिवारिक मामले को लेकर हुई कहासुनी के दौरान पत्नी ने अपने पति पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर उसकी हत्या कर दी। मृतक की पहचान मोहन गुर्जर (40) पुत्र कजोड़ गुर्जर निवासी थमलाव के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मोहन गुर्जर काफी समय से बीमार चल रहा था, उसके दो बेटे हैं।

रावतभाटा पुलिस उपाधीक्षक शंकरलाल मीणा एवं रावतभाटा थानाधिकारी रायसल सिंह शेखावत ने बताया कि आरोपी महिला की मानसिक स्थिति ठीक नहीं बताई जा रही है। विवाद के दौरान आरोपी पत्नी लाड़ बाई ने पति की गर्दन पर कुल्हाड़ी से वार किए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी महिला ने कुएं में कूदकर आत्महत्या का प्रयास किया, लेकिन ग्रामीणों ने तुरंत रस्सी की मदद से उसे कुएं से बाहर निकाल लिया। सूचना मिलने पर पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा और आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आरोपी महिला से पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई हैं। मृतक के शव का पोस्टमार्टम डॉक्टरों के द्वारा किया गया, पोस्टमार्टम के पश्चात शव परिजनो को सौंप दिया गया। घटना के बाद गांव में मातम छाया हुआ हैं।

दिल्ली पुलिस की ड्राइवर भर्ती परीक्षा में नकल करते अलवर में युवक गिरफ्तार

परीक्षा के दौरान ऑनलाइन सिस्टम में कंप्यूटर माउस अपने आप चलने लगा, सवालों के उत्तर स्वतः क्लिक होने पर ऑब्जर्वर ने पुलिस बुलाई

- **अभ्यर्थी सुरेंद्र सैनी ने अपने ही गांव के एक युवक के साथ मिलकर नकल की योजना बनाई थी, दोनों के बीच पैसे की डील भी तय हुई थी।**
- **आरोप है कि परीक्षा से पहले अभ्यर्थी से उसकी फोटो, पहनावे और जूतों तक की जानकारी ली गई थी**
- **इसके बाद परीक्षा केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रश्नों के उत्तर डलवाए जा रहे थे**

अलवर, (निसं)। अलवर के सदर थाना पुलिस ने एसएससी के माध्यम से आयोजित दिल्ली पुलिस ड्राइवर भर्ती परीक्षा में नकल करते हुए एक अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया अभ्यर्थी बहरोड़ क्षेत्र के बरडोद गांव का रहने वाला सुरेंद्र सैनी है, जो बुधवार को अलवर के चिकानी स्थित एमआईटीआरसी कॉलेज में परीक्षा देने आया था।

आरोपी युवक

जानकारी के अनुसार परीक्षा के दौरान ऑनलाइन सिस्टम में कंप्यूटर का माउस अपने आप चलने लगा और सवालों के उत्तर स्वत: क्लिक होने लगे। इस असामान्य गतिविधि पर परीक्षा कक्ष में मौजूद ऑब्जर्वर को संदेह हुआ। जब ऑब्जर्वर ने अभ्यर्थी से समस्या के बारे में पूछा तो उसने किसी भी परेशानी से इनकार कर दिया। इसके बाद उसे माउस से हाथ हटाने को कहा गया, जिस पर स्पष्ट हो गया कि माउस अपने आप चल रहा है और प्रश्न स्वत: हल हो रहे हैं। ऑब्जर्वर ने तुरंत सदर थाना पुलिस को सूचना दी। इसके बाद अभ्यर्थी की सीट बदलकर उसे दूसरी जगह बैठाया गया। परीक्षा समाप्त होने के बाद पुलिस अभ्यर्थी को थाने ले गई, जहां पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए।

सीओ ग्रामीण शिवानी शर्मा ने बताया कि 17 दिसंबर बुधवार को चिकानी स्थित एमआईटीआरसी कॉलेज में एसएससी के माध्यम से दिल्ली पुलिस ड्राइवर पद की ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की जा रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अभ्यर्थी सुरेंद्र सैनी ने अपने ही गांव के एक युवक के साथ मिलकर नकल की योजना बनाई थी। दोनों के बीच पैसे की डील भी तय हुई थी। आरोप है कि परीक्षा से पहले अभ्यर्थी से उसकी फोटो, पहनावे और जूतों तक की जानकारी ली गई थी। इसके बाद परीक्षा केंद्र में कंप्यूटर सिस्टम को हैक कर बाहरी व्यक्ति द्वारा प्रश्नों के उत्तर डलवाए जा रहे थे। पुलिस ने आरोपी को तीन दिन के पीसी रिमांड पर लिया है और उससे पूछताछ जारी है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी ने करीब 7 लाख रुपये में परीक्षा को गलत तरीके से पास कराने की डील की थी।

दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। शुक्रवार को थाना क्षेत्र अलीगढ में अवैध बजरी परिवहन करते एक ट्रैक्टर-ट्रोली मय बजरी को जप्त कर आरोपी चालक रामकेश को गिरफ्तार किया गया है। इसी प्रकार थानाधिकारी निवाई के नेतृत्व में गठित टीम ने थाना निवाई में दर्ज प्रकरण एमएमडीआर एक्ट में फरार आरोपी रामराज को गिरफ्तार किया गया है।

MUNICIPAL BOARD, NATHDWARA DIST.- RAJSAMAND

S.No./M.B.Nath/NIT/Const./2025/15718 Date : 17-12-2025

Notice Inviting Bid

Bids for different works Nit No. 48/2025-26 of Municipal Board Nathdwara are invited from interested bidders up to Date 28-12-2025 on 18:00 Hours. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state govt.

UBN No. – 1.- DLB2526SLOB27540

Commissioner
Municipal Board Nathdwara

Raj.Samwad/C/25/16105

कार्यालय नगरपालिका मण्डल सांभर लेक, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.सां./निर्माण शाखा/2025-26/2247 दिनांक:-18.12.2025

ई-बोली सूचना (17/2025-26)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की और से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका सांभरलेक में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी "A"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:- DLB2526WSOB27605, 27606, 27607, 27608

राज.संवाद/सी/25/16165 अध्यक्ष अधिशाषी अधिकारी

नगर निगम जोधपुर

क्रमांकः- 2512 दिनांकः- 18.12.2025

:: अल्पकालीन ई- निविदा सूचना ::
(UB NO. DLB2526WSOB27564)

नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न सिविल कार्यो हेतु ऑनलाईन ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा से संबंधित कार्यो की विरतृत जानकारी, निविदा की शर्ते आदि http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in एवं https://lsg.rajasthan.gov.in/mcjs पर देखी जा सकती है।

आयुक्त
नगर निगम जोधपुर

राज.संवाद/सी/25/16153

बाघिन सुल्ताना नन्हे शावक के साथ नजर आई

रणथंभौर अभयारण्य में मशहूर बाघिन सुल्ताना नन्हें शावक को मुंह में दबाकर जंगल की ओर ले जाती नजर आई।

सवाईमाधोपुर, (निसं)। सवाईमाधोपुर स्थित विश्व प्रसिद्ध रणथंभौर अभयारण्य घूमने आने वाले पर्यटकों, वन विभाग के लिए शुक्रवार को एक खुशी की खबर सामने आई।

शुक्रवार प्रात: रणथंभौर अभयारण्य में मशहूर बाघिन सुल्ताना मिश्रदर्रा गेट के पास अपने नन्हें शावक को मुंह में दबाकर जंगल की ओर ले जाती नजर आई जिससे वन्य जीव प्रमियों में खुशी की खबर दौड़ गई। वन विभाग ने एहतियात बतौर कुछ देर के लिए गणेश मन्दिर मार्ग को बन्द किया था। बाघिन सुल्ताना का अपने शावकों के साथ जंगल की ओर रुख होने पर खोला मार्ग खोला गया। रणथंभौर के डीएफओ मानस सिंह ने यह जानकारी दी। बाघिन सुल्ताना व शावकों की लगातार मोनिटरिंग की जा रही है।

10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित

- **10वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होगी, वहीं 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 11 मार्च तक होगी**

अजमेर, (निसं)। राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने 10वीं और 12वीं की परीक्षाओं का टाइम टेबल घोषित कर दिया है। 10वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 28 फरवरी तक आयोजित होगी। वहीं 12वीं की परीक्षा 12 फरवरी से 11 मार्च तक होगी। परीक्षा में कुल 19 लाख 86 हजार 422 परीक्षार्थी भाग लेंगे।

बोर्ड सचिव गजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि इन परीक्षाओं के दौरान करीब 6 अवकाश रहेंगे, जिसमें चार रविवार और दो अवकाश होली और धुलण्डी के रहेंगे। उन्होंने बताया कि परीक्षा के लिए 19 लाख 86 हजार 422 परीक्षार्थी पंजीकृत किए गए हैं। इनमें सैकण्डरी के 10 लाख 68 हजार 610, सीनियर सैकण्डरी के 9 लाख 5 हजार 872 परीक्षार्थी शामिल है। वरिष्ठ उपाध्याय के 4123 और प्रवेशिका के 7817 परीक्षार्थी है। कुल 6193 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सचिव ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। प्रश्न पत्र पुलिस थानों और चौकियों में रखे जाएंगे। सेंटर पर नकल ना हो इसे लेकर सीसीटीवी से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही वीडियोग्राफी भी होगी। बोर्ड ने संवेदनशील और अति संवेदनशील परीक्षा केन्द्र चिन्हित किए है। इसमें विशेष तौर पर वीडियोग्राफी की जाएगी। परिणाम जल्द घोषित करने के प्रयास किए जाएंगे।

राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से 10वीं व 12वीं बोर्ड परीक्षाओं के सफल आयोजन के लिए राज्य स्तरीय उच्चाधिकार प्राप्त परीक्षा समिति की बैठक शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। शिक्षा संकुल में आयोजित बैठक में गृह विभाग, शिक्षा विभाग एवं सामान्य प्रशासन विभाग से संबंधित प्रमुख बिंदुओं, कानून व्यवस्था, प्रश्न-पत्रों के सुरक्षित वितरण व उनकी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा, जिला स्तरीय परीक्षा संचालन समितियों का गठन व परीक्षा संचालन के लिए रेस्मा कानून आदि बिंदुओं पर चर्चा की गई। इसके साथ ही अति संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर अनुचित साधनों की रोकथाम के लिए विशेष व्यवस्थाओं पर बात की गई।

शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने परीक्षाओं को पारदर्शी बनाए रखने के लिए प्रश्न पत्र केंद्रों की पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने व एकल केंद्र बनाने से यथासंभव बचने के लिए कहा। साथ ही उन्होंने गत वर्षों के परिणाम के आंकड़ों की समीक्षा कर इसके आधार पर केंद्रों की सुरक्षा रणनीति बनाने के निर्देश दिए। बैठक में एडीजी एसओजी वीके सिंह, संयुक्त सचिव गृह विभाग मनीष गोयल, प्रशासक माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान शक्ति सिंह राठौड़, सचिव माध्यमिक शिक्षा बोर्ड गजेन्द्र सिंह राठौड़, अतिरिक्त राज्य परियोजना निदेशक द्वितीय अशोक कुमार मीना, डीजी होमगार्ड के प्रतिनिधि बादोराव मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीताराम जाट बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुए।

स्वास्थ्य परीक्षण के लिए तिथि निर्धारित

अजमेर, (निसं)। कॉन्स्टेबल लिखित भर्ती परीक्षा एवं शारीरिक दक्षता परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों के लिए स्वास्थ्य परीक्षण की तिथि निर्धारित की गई है। निर्धारित तिथि को समस्त अभ्यर्थी सभी दस्तावेजों की मूल प्रति एवं स्वयं द्वारा प्रमाणित एक-एक छायाप्रतियों सहित परीक्षण स्थल पर उपस्थित होंगे। 11वीं बटालियन आरएसी के कमाण्डेन्ट केवल राम ने बताया कि आरएसी के लिए चयनित अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण 22 और 23 दिसम्बर को एवं दस्तावेज सत्यापन 24 दिसम्बर को रियर मुख्यालय नारेली में किया जाएगा। इसके लिए चयनित अभ्यर्थी आवेदन पत्र की प्रति, लिखित परीक्षा प्रवेश पत्र, पीईटी अथवा पीएसटी प्रवेश पत्र एवं समस्त दस्तावेज सहित रविवार 21 दिसम्बर को सायं 5 बजे तक समस्त अभ्यर्थी 11वीं बटालियन रियर मुख्यालय नारेली पर उपस्थित होंगे। इसी प्रकार जीआरपी पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र सिंह ने बताया कि जीआरपी के लिए चयनित अभ्यर्थियों का बायोमेट्रिक सत्यापन, स्वास्थ्य परीक्षण, दस्तावेज एवं चरित्र सत्यापन का कार्य 26 दिसंबर को प्रात: 6 बजे जीआरपी लाइन कचहरी रोड अजमेर में होगा।

कार्यालय नगर परिषद बारां (राज.)

nagarpalikabaran@gmail.com स्टेशन रोड, बारां Phone : 07453-230106

क्रमांक : नपबा/निर्माण/2025/8643-44 दिनांक : 18.12.2025

ई-टेण्डर सूचना संख्या : निर्माण 80/2025-26

नगर परिषद बारां द्वारा राजस्थान सरकार के अभियांत्रिकी विभागो में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदको अथवा पीडब्ल्यूएफएआर रूल्स के अन्तर्गत पात्र संवेदको से विभिन्न निर्माण कार्यो के लिये निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन निविदा आमन्त्रित की जाती है। संवेदक निविदा प्रपत्र व विवरण पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in, पर देखें। कार्यो की लागत 5.34 लाख रूपये से 37.06 लाख रूपये तक है तथा UBN No. निम्नानुसार है :-

1. DLB2526WSOB27527, 2. DLB2526WSOB27528, 3. DLB2526WSOB27529, 4. DLB2526WSOB27530, 5. DLB2526WSOB27532, 6. DLB2526WSOB27533, 7. DLB2526WSOB27534, 8. DLB2526WSOB27535, 9. DLB2526WSOB27537

आयुक्त
नगर परिषद बारां

राज.संवाद/सी/25/16149

Estate Officer
Rajasthan University of Veterinary and Animal Science (Jobner)

क्रमांक :- EO/RUVAS/2025/72 दिनांक :- 18/12/2025

ई - निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, जोबनेर की ओर से विश्वविद्यालय में विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों के लिए उपयुक्त श्रेणी में, इस विश्वविद्यालय में एवं अन्य विश्वविद्यालयों में, राज्य सरकार एवं राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों तथा केन्द्र सरकार व केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों, जो कि राज्य सरकार के उपयुक्त श्रेणी के समकक्ष हो, पंजीकृत संवेदकों से ई-टेन्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा प्राप्त की जावेगी। निविदा से संबंधित विरण वेबसाईट www.dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp, www.ruvasjaipur.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

निविदा आवेदन डाउनलोड़ करने की तारीख	18.12.2025 सांय 5.00 बजे से
निविदा जमा कराने की तारीख	29.12.2025 सांय 5.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	30.12.2025 प्रातः 11.00 बजे

UBN No. : RVJ2526WSOB00010
UBN No. : RVJ2526WSOB00011

सम्पदा अधिकारी
रूवास (जोबनेर) जयपुर

राज.संवाद/सी/25/16124

तस्कर गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मंगरोप थाना पुलिस ने डोडा-चूरा तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किया। चित्तौड़गढ़ से पकड़े गए आरोपी कालू अहीर ने ही गत दिनों हमीरगढ़ थाना पुलिस को ट्रक से जब्त 20 किलो डोडा-चूरा की सप्लाई की थी।

मंगरोप थाना प्रभारी विजय मीणा ने गहन जांच के बाद कालू को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कालू अहीर डोडा-चूरा की बड़े पैमाने पर तस्करी में लिप्त था। हमीरगढ़ पुलिस ने ट्रक चेकिंग के दौरान 20 किलो डोडा-चूरा बरामद किया था, जिसकी सप्लाई का खुलासा होने पर मंगरोप पुलिस सक्रिय हो गई। थाना प्रभारी विजय मीणा ने बताया कि आरोपी से पूछताछ जारी है और उसके अन्य साथियों की तलाश की जा रही है।

अलवर में विवाहिता की मौत, दहेज के लिए हत्या का आरोप लगाया

- **पीहर वालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले ट्रैक्टर की मांग कर रहे थे, ससुराल पक्ष ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बहू को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया**

अलवर, (निसं)। अलवर में विवाहिता की मौत पर पीहर पक्ष ने दहेज हत्या और प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पीहरवालों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले ट्रैक्टर की मांग कर रहे थे। दहेज के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान करते रहे थे। परिजनों ने इसे दहेज हत्या बताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मामला बगड़ तिराहा थाना क्षेत्र का है। चोरोटी गांव निवासी निक्की (27) की गुरुवार को मौत हुई थी। जिला हॉस्पिटल में शुक्रवार को पोस्टमॉर्टम करवाया गया। इस दौरान पीहर और ससुराल पक्ष के लोग मौजूद रहे। डीएसपी पिंटू कुमार ने बताया कि पीहर पक्ष की रिपोर्ट पर दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। एक सीसीटीवी में महिला कपड़े धोते समय फिसलकर घिरती नजर आई है। उसकी भी जांच की जा रही है।

महिला के चाचा साधुराम ने बताया कि भतीजी निक्की की 2021 में चोरोटी गांव के रनहे वाले मनोज से शादी हुई थी। निक्की की एक बहन प्रियंका की भी शादी इसी परिवार में हुई है। मृतका निक्की के परिवार का आरोप है कि शादी के बाद से ही उनकी दोनों बेटियों को दहेज के लिए परेशान किया जा रहा है।

वहीं ससुराल पक्ष से चाचा ससुर दीपचंद ने सभी आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बहू को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया। उनका कहना है कि जो भी सच है, वह जांच के बाद सामने आ जाएगा। सीसीटीवी फुटेज में महिला कपड़े धोते समय फिसली है। जो दिख भी रहा है।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, राजस्थान, अजमेर

प्रायोगिक परीक्षा 2026 बाबत् परीक्षार्थियों, विद्यालयों एवं परीक्षकों को आवश्यक निर्देश

1. उच्च माध्यमिक परीक्षा 2026 के नियमित परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं **01 जनवरी 2026 से 20 जनवरी, 2026 तक** तथा **स्वयंपाठी परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं 25 जनवरी 2026 से 31 जनवरी, 2026 के मध्य** सम्पादित होगी।
2. प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित विद्यालयों की सामग्री यथा उत्तर-पुस्तिकाएँ, ग्राफ पेपर, ड्रॉइंग शीट्स आदि बोर्ड द्वारा बनाये वितरण केन्द्रों पर भिजवाई जा रही है। शाला प्रधान इन केन्द्रों से प्रायोगिक परीक्षा सामग्री प्राप्त कर ले।
3. विद्यालयों में विषयवार नियुक्त बाह्य परीक्षकों की सूची, नामावली (रोल नं.) तथा प्रायोगिक परीक्षा के अनुदेश आदि बोर्ड वेबसाईट पर अपलोड किये जायेंगे, जिसे शाला प्रधान अपनी ID पासवर्ड से प्रिन्ट कर ले। इसके अतिरिक्त परीक्षा सम्बन्धित आवश्यक सूचनायें भी समय-समय पर बोर्ड वेबसाईट **https:rajeduboard.rajasthan.gov.in** पर अपलोड की जायेगी। अतः सभी शाला प्रधान विशेष कर परीक्षा अवधि के दौरान नियमित रूप से बोर्ड वेबसाईट का अवलोकन करें।
4. बोर्ड द्वारा नियुक्त बाह्य परीक्षकों को नियुक्ति की सूचना उनके पंजीकृत मोबाइल पर **SMS** से भिजवाई जायेगी। परीक्षकों को लॉगिन करने पर उन्हें आवंटित विद्यालयों की सूची व नियुक्ति पत्र की सूची प्राप्त होगी।
5. **समस्त बाह्य परीक्षकों को प्रतिदिन संबंधित विद्यालय में ली जा रही प्रायोगिक परीक्षा की फोटोग्राफ लेकर बोर्ड की ई-मेल आईडी bserpracticalgpsimages@gmail.com पर अनिवार्यत: प्रेषित करनी होगी।**
6. प्रायोगिक परीक्षा के दौरान विद्यालय में नियत तिथि को **अनुपस्थित** रहने वाले परीक्षार्थी की परीक्षा उसी परीक्षक द्वारा उसी विद्यालय में लिए जा रहे अन्य बैच में शाला प्रधान की विशेष अनुमति से कराई जा सकेगी। **किसी भी स्थिति में अन्य परीक्षक अथवा अन्य विद्यालय में परीक्षा की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा परीक्षार्थी को अनुपस्थित मानकर परिणाम जारी कर दिया जाएगा। जिसके लिये शाला प्रधान एवं परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार रहेंगे।**
7. **स्वयंपाठी परीक्षार्थियों** की प्रायोगिक परीक्षाओं की सूचना एवं प्रवेश पत्र बोर्ड की वेबसाईट पर प्रायोगिक परीक्षा के एक सप्ताह पूर्व अपलोड किये जायेंगे। **स्वयंपाठी परीक्षार्थी** अपना प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में प्रविष्ठ हो सकेंगे।
8. प्रायोगिक परीक्षा हेतु परीक्षा प्रारम्भ से परीक्षा समाप्ति तक बोर्ड की गोपनीय शाखा में स्थापित नियंत्रण कक्ष दूरभाष सं. 0145-2620739, 2623776, व तकनीकी समस्या (आई.टी. संबंधित) के समाधान हेतु 0145-2632865, 2627454 ई-मेल **bserconf2018@gmail.com** पर सम्पर्क किया जा सकता है। जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक पर भी नियंत्रण कक्ष उक्त अवधि में कार्यरत रहेगा।
9. शाला प्रधान एवं नियुक्त बाह्य परीक्षकों हेतु प्रायोगिक परीक्षा से संबंधित विस्तृत जानकारी/दिशा निर्देश बोर्ड की वेबसाईट **https:rajeduboard.rajasthan.gov.in** पर उपलब्ध करायें जा रहे हैं।

सचिव

सार-समाचार

हजारों लीटर वॉश व भट्टियां नष्ट

उदयपुर, (कासं)। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही कर अभियोग दर्ज किए गए। आबकारी आयुक्त श्री नकाते के निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा के परिवहन व विक्रय पर आबकारी निरोधक टीमों द्वारा कार्यवाही की जा रही है।जयपुर में जमवारामगढ़ कांकरेल वन क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की कार्रवाई में वॉश एवं भट्टियां नष्ट की गई। डूंगरपुर जिले सागवाड़ा क्षेत्र के रोंदा, फला ओबरी व कडाना बेक वाटर के मेटीटंबा में 6 हजार लीटर वॉश एवं 13 भट्टी नष्ट की गई साथ ही 35 लीटर अवैध महुआ शराब जब्त की गई। बीकानेर के श्रीकरणपुर में दबिश की कार्रवाई में 600 लीटर वॉश नष्ट किया एवं 12 लीटर अवैध हथकड शराब जब्त की गई। मौके से एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर 2 अभियोग दर्ज किया। हनुमानगढ़ में टिब्बी, सुरेवाला क्षेत्र में 200 लीटर वॉश नष्ट कर 15 लीटर अवैध शराब जब्त की गई। अलवर जिले में पड़त मदिरा क्षेत्र ढिगावड़ा, राजगढ वृत्त में कार्रवाई के तहत 40 पेटी विभिन्न ब्रांड की अवैध शराब जब्त की गई और एक अभियुक्त को मौके से गिरफ्तार किया गया। जोधपुर में आबकारी क्षेत्र सरदारपुरा एवं जोधपुर पश्चिम की नट बस्ती, मसूरिया व तनावड़ा में कार्रवाई के तहत 450 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 3 अभियोग दर्ज किए। बांसवाड़ा में आबकारी निरोधक दल ने दबिश देकर 2200 लीटर वॉश नष्ट कर 4 अभियोग दर्ज किए। इसी प्रकार प्रदेश के अन्य जिलों में भी निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है।

हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने कार से टक्कर मार कर व्यक्ति की हत्या करने के बाद हादसे को घटना बताने वाले तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। प्रकरण के अनुसार 19 दिसंबर को पीडित भंवरलाल गारू निवासी मल्लातलाई ने एक अज्ञात वाहन द्वारा स्वयं के दोहिते आरव खोखर व उसके साथी हिमांशु के स्कूटी से किशनपोल से मल्लातलाई आते समय मोगरावाड़ी में अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मारने से चोटिल आरव की मृत्यु हो गई एवं हिमांशु गंभीर घायल हो गया। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर किए गए अनुसंधान एवं मामले में घायल हिमांशु द्वारा हत्या करने की जानकारी दी। इस मामले में सामने आया कि कार में सवार तीन बदमाश सोहेल उर्फ टोनी पुत्र मुनीर खां निवासी ओमबन्ना दक्षिणी विस्तार कॉलोनी , मोहसीन पुत्र मोहसीन निवासी नूरी चौक खांजीपीर व सोहेल पुत्र शेर मो. निवासी अंजुमन हॉल गोसिया कॉलोनी उदयपुर ने 18 सिंबर रात में बलीचा क्षेत्र सें सिगरेट की की बात को लेकर हिमांशु कलयाण व आरव खोखर से हुई कहासूनी होने पर कार लेकर स्कूटी के पीछे रवाना हुए। जहां बीच रास्ते में टक्कर मारने का प्रयास किया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसी दौरान मोगरा वाड़ी क्षैत्र में मौका पाते ही स्कूटी को टक्कर मार आरव की हत्या कर दी तथा हिमांशु को गंभीर घायल कर फरार हो गए। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह चौहान के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए अनुसंधान में एसआई विरमसिंह, एएसआई शरीफ खान, चन्द्रभानसिंह, सीओ कार्यालय हेडकांस्टेबल इन्द्रजीतसिंह मय टीम ने तलाश शुरू की। इस दौरान रेल्वे स्टेशन के पास पुलिस को देख कार साईड में खडी कर दिवार फांद कर भागने लगे। जिसके चलते तीनों के पांव चोटिल हो गए। इस पर पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से वारदात में प्रयुक्त कार बरामद की। आरोपी सोहेल उर्फ टेनी गोवर्धन विलास पुलिस थाने का हिस्ट्रीशिटर होकर उसके खिलाफ शहर के अनलग अलग थानो में छह से अधिक प्रकरण दर्ज है। मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक सूर्यवीरसिंह राठोड कर रहे है।

चयनित अभ्यर्थियों की सूची जारी

उदयपुर, (कासं)। पुलिस कांस्टेबल भर्ती की लिखित परीक्षा में सफल हुए अभ्यार्थियों की शारीरिक दक्षता एवं शारीरिक माप तौल परीक्षा 8, 9 एवं 10 दिसम्बर को गांधी ठाउंड में आयोजित गठित बोर्ड के समक्ष हुई। जिसमें कांस्टेबल सामान्य नॉन टीएसपी 385 व कांस्टेबल चालक नॉन टीएसपी के 17 तथा सामान्य टीएसपी के 88 अभ्यर्थियों का चयन कर सूची तैयार की गई । चयन बोर्ड द्वारा तैयारी सूची को राजस्थान पुलिस की वेबसाईट पर अपलोड की गई है तथा चयनित अभ्यर्थियों की सूचनी जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय उदयपुर एवं रिजर्व पुलिस लाईन उदयपुर नोटिस बोर्ड पर चस्पा की गई है। वहीं जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने बताया कि चयन सूची के अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन, बायोमैट्रिक सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण 23 से 27 दिसंबर तक रिजर्व पुलिस लाइन उदयपुर में होंगे। गोयल ने चयनित अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे अपने मूल प्रमाण पत्रों सहित अन्य दस्तावेज और 10 पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो साथ लेकर निर्धारित दिनांक को रिजर्व पुलिस लाइन में प्रात:10 बजे उपस्थित हों। चयनित अभ्यर्थियों की सूची राजस्थान पुलिस की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है एवं जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा रिजर्व पुलिस लाइन में नोटिस बोर्ड पर भी चस्पा कर दी गई है। भर्ती में कांस्टेबल सामान्य नॉन टीएसपी 385, कांस्टेबल चालक नॉन टीएसपी 17 तथा कांस्टेबल सामान्य टीएसपी के 88 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है।

अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए जब्त

उदयपुर, (कासं)। डीएसटी एवं भुपालपुरा थाना पुलिस ने कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा,पुलिस उप अधीक्षक सूर्यवीरसिंह के सुपरविजन में भुपालपुरा थानाधिकारी कानाराम एवं डीएसटी टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए शास्त्री सर्कल के पास से आरोपी दानिश उर्फ डिके पुत्र ईब्दुलुद्दीन निवासी चूडीघरों का मोहल्ला मुखर्जी चौक धानमण्डी के कब्जे से 5.97 ठााम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमजब्त कर गिरफ्तार किया। इसी दौरान कार्यवाही करते हुए आयड़ महासतीया के बाहर से आरोपी मो. साहिल पुत्र मो. शराफत निवासी लौहार कॉलोनी आयड़ के कब्जे से 1.75 ग्राम अवैध एमडीएमए जब्त कर गिरफ्तार किया।

नई पुलिस चौकी का उद्घाटन

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल ने शुक्रवार को फिनोवा केपिटल प्राईवेट लि. कंपनी के सहयोग से पन्नाधाय मार्ग हाथीपोल पर अस्थाई पुलिस चौकी व अम्बेरी में यातायात बूथ एवं पुलिस सहायता केन्द्र का शुभारंभ किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक राजेश यादव एवं यातायात पुलिस उप अधीक्षक अशोक आंजना, हाथीपोल थानाधिकारी राजुदेवी एवं हाथीपोल व्यापार मण्डल के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हादसे में वृद्ध की मौत

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में हुए हादसे में घायल वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रकरण के अनुसार 15 दिसंबर को अज्ञात वाहन की चपेट में आने से घायल मनोहरपुरा बडगांव निवासी पारूनाथ (68) पुत्र भूरानाथ कालबेलिया को एमबी चिकित्सालय में अज्ञात व्यक्ति ने भर्ती करवाया। जिसकी उपचार के दौरान मौत होने से शिनाख्त नहीं हो पाई थी। शुक्रवार को इसका पता चलने पर पुत्र गोविन्दनाथ ने मोर्चरी में पहुंच कर मृतक की अपने पिता पारूनाथ के रूप में शिनाख्त की। इस पर हेडकांस्टेबल नितेश मेनारिया ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

पिम्स हॉस्पिटल में रोगी का सफल उपचार

उदयपुर, (निसं)। पैसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, उमरड़ा के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में 66 वर्षीय पुरुष रोगी का सफलतापूर्वक उपचार किया गया है।चेयरमैन आशीष अग्रवाल ने बताया कि संस्थान में रोगी पिछले दो माह से श्वसन सम्बन्धी समस्या के चलते अस्पताल आया। जाँच के दौरान छाती के एक्स-रे एवं एचआरसीटी स्कैन में बाएँ फेफड़े में अत्यधिक (ग्रॉस) प्ल्यूरल इफ्यूजन पाया गया, जिसके कारण बाएँ फेफड़े का पूर्ण संकुचन हो गया था। चेयरमैन आशीष अग्रवाल ने बताया कि रोगी की गंभीर स्थिति को ध्यान में रखते हुए पारंपरिक ओपन थोरैसिक सर्जरी के स्थान पर न्यूनतम इनवेसिव थोरैकोस्कोपी प्रक्रिया अपनाई गई। इस आधुनिक तकनीक के माध्यम से लंबे समय तक अस्पताल एवं आईसीयू में भर्ती रहने, अधिक खर्च तथा संभावित जटिलताओं से बचाव संभव हुआ।

जिला कारागृह व उपकारागृह सागवाड़ा का किया निरीक्षण

डूंगरपुर, (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार तथा जिला एवं सेशन न्यायाधीश व अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डूंगरपुर सुनील कुमार पंचोली एवं प्राधिकरण की सचिव मनोज मीना ने शुक्रवार को जिला कारागृह डूंगरपुर एवं उपकारागृह सागवाडा का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान जिला एवं सेशन न?यायाधीश एवं प्राधिकरण अध?यक्ष सुनील कुमार पंचोली ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा शशि उर्फ शाही चिकना विवेकानन्द जुरमानी बनाम महाराष्ट्र राज्य प्रकरण में पारित हालिया निर्णय का संदर्भ दिया। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय ने विचारण न्यायालय के समक्ष आरोपी को बार.बार पेश न किए जाने पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने निर्देशों में स्पष्ट किया है कि ट्रायल के दौरान आरोपी की प्रत्यक्ष उपस्थिति एक निष्पक्ष और त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए अनिवार्य है। यह प्रक्रिया मानवाधिकारों के दुरुपयोग को रोकने और बंदियों को सीधे न्यायाधीश के सामने अपनी शिकायतें रखने में सक्षम बनाती है तथा आरोपी को समय पर पेश न करना एक मौलिक सुरक्षा का गंभीर उल्लंघन माना जाएगाा।

अध्यक्ष ने जेल प्रशासन को स्पष्ट किया कि इस विशेष निरीक्षण और अभियान का उद्देश्य निम्नलिखित बिंदुओं पर कार्रवाई करना है,से विचाराधीन बंदियों को चिन्हित करना जिन्हें अदालतों में पेश होने में समस्या आ रही है और पेश न हो पाने के कारणों का दस्तावेजीकरण करना,पुलिस जाब्ता या अन्य संसाधनों की कमी के कारण पेशी प्रभावित होने वाली तकनीकी समस्याओं को रिकॉर्ड करना,ऐसे विचाराधीन बंदी जिन्होंने कानून के तहत निर्दिष्ट अधिकतम सजा का आधा या एक-तिहाई हिस्सा हिरासत में बिता लिया है उनकी पहचान कर राहत प्रदान करना तथा ऐसे बंदियों की सूची तैयार करना जिनका कोई वकील नहीं है या जिनका प्रतिनिधित्व अपर्याप्त है। निरीक्षण के दौरान अध?यक्ष ने निर्देश दिए कि जिन बंदियों को कानूनी सहायता की आवश्यकता है, उनके लिए तत्काल जमानत आवेदन दाखिल किए जाएं,पेशी से संबंधित आवश्यक प्रार्थना पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किए जाएं निःशुल्क विधिक सहायता योजना के तहत अनुभवी वकील उपलब्ध कराए जाएं। अध्यक्ष सुनील कुमार पंचोली ने कहा, न्याय केवल कागजों पर नहीं,बल्कि धरातल पर दिखना चाहिए। प्रत्येक बंदी को अपनी बात अदालत के समक्ष रखने का संवैधानिक अधिकार है और विधिक सेवा प्राधिकरण यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि कोई भी बंदी केवल संसाधनों या जानकारी के अभाव में न्याय से वंचित न रहे।

पहाड़ियों की अवैध कटाई पर प्रशासन सख्त

■ नियम तोड़ने वालों पर हो हो कठोर कार्रवाईः जिला कलेक्टर मेहता

उदयपुर,(कासं)। शहर एवं उसके आसपास स्थित पहाड़ियों पर हो रही अवैध कटाई और नियमविरुद्ध निर्माण को लेकर जिला प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। इस संबंध में शुक्रवार को जिला कलेक्टर नमित मेहता की अध्यक्षता में कलेक्टर निवास पर अधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिला कलेक्टर ने पहाड़ियों की अवैध कटाई, अवैध निर्माण तथा बिना अनुमति किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की और दोषियों के खिलाफ तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर मेहता ने विभिन्न पहाड़ियों पर निर्मित सड़कों एवं अन्य संरचनाओं की स्वीकृतियों की जानकारी लेते हुए कहा कि जिन मामलों में नियमों का उल्लंघन हुआ है, वहां किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना वैधानिक अनुमति किए गए प्रत्येक कार्य की गहन जांच की जाए तथा संबंधित व्यक्तियों के समस्त दस्तावेजों की सूक्ष्मता से पड़ताल की जाए। उन्होंने कहा कि पहाड़ियों की कटाई एक अत्यंत संवेदनशील एवं पर्यावरण से जुड़ा विषय है। ऐसे मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने पर न केवल संबंधित व्यक्तियों बल्कि सरकारी तंत्र में जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। जिला कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को प्रभावित गांवों एवं क्षेत्रों का शीघ्र सर्वे कर विस्तृत जांच रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए।

जिला कलेक्टर ने कहा किपहाड़ियों पर हो रहे सभी प्रकार के निर्माण कार्यों की जांच की जाए और जहां भी अवैध या नियमविरुद्ध निर्माण पाए जाएं, वहां नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जांच रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत की जाए, ताकि दोषियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की जा सके। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि सभी कार्रवाइयाँ प्रो-एनवायरमेंट दृष्टिकोण अपनाते हुए की जाएं। अवैध निर्माण एवं पहाड़ियों की अवैध कटाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। ऐसे कृत्यों में लिप्त पाए जाने वालों की खातेदारी निरस्त करने के साथ-साथ सीजर से संबंधित राजस्व विभाग एवं उदयपुर विकास प्राधिकरण (यूडीए) द्वारा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में एसडीएम गिर्वा अवुला साईं कृष्ण, यूडीए उपायुक्त सुरेंद्र बी. पाटीदार, यूडीए तहसीलदार अभिनव शर्मा, रणजीत सिंह बिट्ठू, गिर्वा तहसीलदार श्याम सिंह चारण, बड़गांव तहसीलदार हितेश त्रिवेदी, खनन विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

करंट की चपेट से हेल्पर की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के रामसागडा थाना क्षेत्र के नारेली गांव में एक बुलडोजर हेल्पर की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। बुलडोजर का बकेट बिजली की लाइन से छू जाने के कारण यह हादसा हुआ। घटना के बाद मृतक के परिजन मौताणे क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए।

महुडी निवासी अल्पेश रोत पुत्र रमेश रोत बुलडोजर पर हेल्पर का काम करता था। गुरुवार को वह बुलडोजर लेकर नारेली गांव में खुदाई के काम पर गया था। इसी दौरान बुलडोजर का बकेट बिजली की लाइन के संपर्क में आ गया। बिजली का झटका लगने से हेल्पर अल्पेश गंभीर रूप से झुलस गया और बेहोश हो गया। उसे तुरंत डूंगरपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर रामसागडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मृतक के परिजन बुलडोजर मालिक से मौताणे की मांग पर अड गए। पुलिस ने परिजनों को समझाने का प्रयास किया। देर शाम को दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया।

ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित

भीम, (निसं)। उपखंड क्षेत्र के भू अभिलेख निरीक्षक व्रत बरार के अंतर्गत ग्रामीण समस्या शिविर का आयोजन शुक्रवार को किया गया।

इस अवसर पर शिविर प्रभारी उपखंड अधिकारी विकास शर्मा ने बताया कि भू अभिलेख निरीक्षक व्रत बरार क्षेत्र की ग्राम पंचायत बरार,हामेला की वेर, ठीकरवास, कुशलपुरा, कुकरखेडा, आदि ग्राम पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान किया गया। ग्रामीण सेवा शिविर में उपखंड अधिकारी विकास शर्मा, तहसीलदार मनोज कुमार गांग, विकास अधिकारी कृष्ण मुरारी छालिया, नायब तहसीलदार निजामुद्दीन काठात, आदि की मौजूदगी में ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने आमजन की समस्या समाधान के लिए प्रस्तुत आवेदनों का निस्तारण किया।

पर्यावरण प्रेमियों ने कलेक्ट्रेट के बाहर किया प्रदर्शन

उदयपुर,(कासं)। अरावली पर्वतमाला को 1०० मीटर से कम करने के फैसले के बाद उदयपुर में विरोध तेज हो गया है। विरोध के तहत शुक्रवार को बडी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अरावली पर्वतमाला से जुडे सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले पर सवाल खडे करते हुए उसे तथ्यों से परे बताया।

उदयपुर जिला कलेक्ट्रेट के बाहर शुक्रवार को अरावली बचाओ संघर्ष समिति के बैनर तले लोगों ने नारे लगाते हुए कहा कि अरावली के अस्तित्व के साथ इस तरह की छेडछाड जारी रही तो इसका गंभीर खमियाजा आने वाली पीढयों को भुगतना पडेगा।प्रदर्शनकारियों ने कहा-अरावली बचाने के लिए आंदोलन जारी रहेगा और जरूरत पडी तो इसे जन आंदोलन का रूप दिया जाएगा।

वक्ताओं ने कहा. अरावली को केवल सौ मीटर की सामान्य पहाडी मानना पूरी तरह गलत और भ्रामक है। अरावली एक विस्तृत पर्वत श्रृंखला है जो पर्यावरण,जल संरक्षण और जैव विविधता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि अरावली के अस्तित्व के साथ इस तरह की छेडछाड जारी रही तो इसका गंभीर खमियाजा आने वाली पीढयों को भुगतना पडेगा। समिति ने सरकार से अरावली पर्वतमाला को लेकर स्पष्ट और ठोस नीति बनाने की मांग की। प्रदर्शन में मेवाड महामंडलेश्वर रास बिहारी शास्त्री, भाजपा के पूर्व शहर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली सहित कई सामाजिकए राजनीतिक और पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे।

उधर शहर जिला कांग्रेस कमेटी और कांग्रेस पर्यावरण प्रकोष्ठ की ओर से भी प्रदर्शन हुआ। युवाओं और महिलाओं ने सेव अरावली के पोस्टर.बैनर हाथों में लेकर सरकार और सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा यदि सुप्रीम कोर्ट अपने फैसले पर पुनर्विचार नहीं करता है तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। अरावली को केवल सौ मीटर की पहाडी मानने को पर्यावरण और मेवाड की अस्मिता के साथ अन्याय बताया गया। प्रदर्शन में शहर जिलाध्यक्ष फतह सिंह राठौड,दिनेश श्रीमाली,वरिष्ठ नेता धर्मेंद्र राजोरा, सत्यनारायण टांक, ब्लॉक अध्यक्ष अजय सिंह सहित कांग्रेस कार्यकर्ता और आमजन मौजूद रहे।

जमीन हड़पने का मामला

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ पीडित की जमीन को धोखे से अपने नाम कराने का प्रकरण दर्ज किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित तकाराम पुत्र हिरा गमेती निवासी पडावली खुर्द गोगुन्दा ने आरोपी पंकज कुमार सियाल निवासी सियाल भवन आदर्शनगर अभिनव विद्यालय के पास गारियावास के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें उसने बताया कि मैने फांदा गांव में स्थित अपनी जमीन का पट्टा स्वयं के नाम जारी कराने के लिए यूडीए में कार्यवाही शुरू की थी। इस दौरान आरोपी से संपर्क किया तो उसने बताया कि मैं कार्यवाही कर पट्टा दिला दूंगा। इसके बावजूद आरोपी ने कार्यवाही करते हुए 3 सितंबर 24 को अपने नाम पर पट्टा उठा लिया।

बैठक 22 को

उदयपुर, (कासं)। 12वें उदयपुर पक्षी मेले का आयोजन किए जाने हेतु पक्षी मेले से संबंधितपहलुओं पर विस्तृत रूप से चर्चा करने हेतु बैठक आयोजित की जाएगी। उप वन संरक्षक वन्यजीव यादवेन्द्र सिंह ने बताया कि बैठक का आयोजन मुख्य वन संरक्षक की अध्यक्षता में 22 दिसम्बर को होगी।

राजस्थान विद्यापीठ-ग्लोबल डेवलपमेंट कॉलेज ऑस्ट्रेलिया के बीच एमओयू

उदयपुर, (कासं)। उच्च शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से शुक्रवार को राजस्थान विद्यापीठ एवं और ऑस्ट्रेलिया के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉलेज के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। विद्यापीठ की ओर से कुलपति प्रो.एस. एस. सारंगदेवोत ग्लोबल डेवलपमेंट कॉलेज की ओर से कुलपति प्रो. जेरेमी नोवाक ने हस्ताक्षर किए ।

इस समझौते का उद्देश्य दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना, कौशल आधारित प्रशिक्षण के अवसर विकसित करना तथा शिक्षा और उद्योग के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना है। इसके अंतर्गत विशेषज्ञ व्याख्यान, प्रशिक्षण कार्यक्रम, उभरती तकनीकों से जुड़े शैक्षिक प्रयास, तथा विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए क्षमता निर्माण से संबंधित गतिविधियों संयुक्त रूप से क्रियान्वन होगा। इसके अनुसार सभी गतिविधियां संबंधित शैक्षिणक और वैधानिक मानकों के अनुरूप होंगी। प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि यह समझौता राजस्थान विद्यापीठ के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अकादमिक संपर्क और अनुभव साझा करने का एक अवसर प्रदान करेगा, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को वैश्विक शैक्षणिक परिदृश्य को समझने और उससे जुडने में सहायता मिलेगी। इस मौके पर कुलाधिपति कुल प्रमुख भंवर लाल गुर्जर, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा, प्रो. गजेंद्र माथुर, प्रो इंद्रजीत माथुर, डॉ सौरभ राठौड आदि मौजूद रहे।

■ अकादमिक सदस्य एवं विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलेगी नयी पहचान : प्रो. सारंगदेवोत

राजस्थान विद्यापीठ व ऑस्ट्रेलिया के ग्लोबल डेवलपमेंट कॉलेज के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए।

सार-समाचार

45 लाख के विकास कार्यों का लोकार्पण

कपासन, (निसं)। कपासन नगर पालिका द्वारा कस्बे के श्री चारभुजा नाथ मंदिर और श्री लक्ष्मीनाथ मंदिर में कराए गए 45 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण आज शुक्रवार को किया गया। यह लोकार्पण विधायक अर्जुनलाल जीनगर और नगर पालिका अध्यक्ष मंजुदेवी सोनी ने किया। वार्ड 15 स्थित श्री चारभुजा नाथ मंदिर में अमावस्या के अवसर पर विधायक जीनगर के सानिध्य में ध्वजा चढ़ाई गई। इसके बाद, विधायक जीनगर और नपा अध्यक्ष सोनी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और मंदिर में स्वागत द्वार सहित 34 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। पंडित राजू व्यास ने पूजा संपन्न करवाई। इस अवसर पर मंदिर मंडल के अध्यक्ष कन्हैयालाल सोमानी सहित सदस्य रामेश्वर लाल सोमानी, अनिल सोमानी, कमलेश सोमानी, केदार सोमानी और प्रशांत विजयवर्गीय ने अतिथियों का स्वागत किया। विधायक जीनगर ने पुजारी सुरेश कुमार वैष्णव का अभिनंदन भी किया।इसके पश्चात, वार्ड 13 में स्थित स्वर्णकार समाज के लक्ष्मीनाथ मंदिर में 11 लाख रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। विधायक जीनगर और नपा अध्यक्ष सोनी ने यहां भी लोकार्पण समारोह में भाग लिया। स्वर्णकार समाज के अध्यक्ष नंद किशोर सोनी, छितर मल सोनी, प्रकाश सोनी, रतन सोनी और मनोज सोनी सहित अन्य सदस्यों ने अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान पार्षद रोशन सोनी, कुलदीप सोनी, लोकेश राव और राजीव सोनी का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष राज विजयवर्गीय, जी.एस.एस. अध्यक्ष नंदकिशोर टेलर, पूर्व नपा अध्यक्ष गजेंद्र बाघमार, युवा मोर्चा अध्यक्ष विकास बारेगामा, पार्षद अशोक विजयवर्गीय, वंदना सोनी, वंदना दाधीच, पुष्पा वैष्णव, लता वैष्णव, रोशन सोनी, कुलदीप सोनी, राजीव सोनी, जिनेंद्र कोठारी, राजेश जाजू, तरुण बरेगामा, किसान मोर्चा अध्यक्ष शंभू बागड़ा, भगीरथ , वरिष्ठ नेता सत्यनारायण पलोड़, बूथ अध्यक्ष आशीष सोनी, भगवती लाल, प्रतीक वैष्णव, गिरिराज वैष्णव, पुरुषोत्तम योगी, राकेश आचार्य, दिनेश सोनी, माणक चौहान, अशोक शर्मा, जगदीश जाट समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

आयुक्त पर स्याही फेंकी

राजसमंद, (निसं)। शुक्रवार शाम को हुए स्याही कांड ने राजनीतिक मर्यादाओं को शर्मसार कर दिया। बालकृष्ण स्टेडियम में निरीक्षण के दौरान नगर परिषद सभापति अशोक टांक और आयुक्त ब्रजेश रॉय पर स्याही फेंके जाने की घटना से शहर का राजनीतिक माहौल गरमा गया। अचानक हुए इस घटनाक्रम से मौके पर अफरा-तफरी मच गई और नगर परिषद कर्मचारियों में भारी आक्रोश देखने को मिला।घटना के दौरान नगर परिषद कर्मचारियों ने मौके पर मौजूद भाजपा आईटी सेल संयोजक एवं सांसद प्रवक्ता भरत दवे को पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि स्याही फेंकने की वारदात में 4 से 5 अन्य लोग भी शामिल थे, जो घटना के बाद मौके से फरार हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को संभालते हुए भाजपा नेता भरत दवे को डिटेन कर लिया। इस घटनाक्रम के विरोध में नगर परिषद कर्मचारियों ने तत्काल कार्य बहिष्कार का ऐलान कर दिया। कर्मचारियों ने प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। नगर परिषद आयुक्त ब्रजेश रॉय ने इस मामले में संबंधित पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। आयुक्त ने कहा कि यह घटना न केवल अशोभनीय है, बल्कि इससे राजकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं नगर परिषद सभापति अशोक टांक ने इस पूरे घटनाक्रम को भाजपा की अंतर्कलह का नतीजा बताते हुए कहा कि आपसी राजनीतिक संघर्ष का खामियाजा प्रशासन और आम जनता को भुगतना पड़ रहा है।

यूडीए ने जारी किए पट्टे

उदयपुर, (कासं)। शहरी समस्या समाधान सेवा शिविर 2025 के तहत उदयपुर विकास प्राधिकरण कार्यालय परिसर में कैंप आयोजित कर आम जन को राहत प्रदान की गई। यूडीए आयुक्त आयुक्त राहुल जैन ने बताया कि शिविर के दौरान 100 आवेदकों को पट्टे और चार को फ्री होल्ड पट्टे जारी किए गए। शिविर के दौरान भवन मानचित्र के 6 प्रकरण, नाम हस्तांतरण के 40 प्रकरण और स्ट्रीट लाइट सहित अन्य 66 प्रकरण निस्तारित किए गए। इस अवसर पर 46 आवंटन पत्र भी प्रदान किए गए। जैन ने बताया कि शिविर के दौरान यूडीए सचिव हेमेंद्र नागर एवं अन्य अधिकारियों ने आमजन से संवाद किया और संबंधितों को निस्तारण संबंधी निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में फॉलोअप कैंप के रूप में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक : F.11( )Regin-III/2025/6867 Date :19/12/2025

आम - सूचना

निम्नानुसार आवेदक द्वारा सारणी में वर्णित राजस्व ग्राम एवं खसरा नम्बर की भूमि का आवंटन/नियमन हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है जिसका विवरण निम्नानुसार है:-

क्र. सं.	राजस्व ग्राम	खसरा नम्बर	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल (वर्गफीट)	आवेदक का नाम / पिता का नाम
1	बेडवास (धोलीमगरी)	1520मी., 1573, 1575मी., 1579, 1580,	J-6	771.00	जया रोड लाइन्स पो. श्री प्रेम प्रकाश पारदासानी पिता श्री उदाराम पारदासानी
2			J-2	912.00	मैसर्स पुष्पराज ऑटो मोबाईल प्रोपराईटर श्रीमती रागीनी रस्तोगी पत्नी श्री राजीव कुमार रस्तोगी

अतः उपरोक्तानुसार आवेदित भूखण्डो का आवंटन / लीजड़ीड आवेदक के नाम करने के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति/ऐतराज हो तो इस सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मियाद गुजरने नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी।

(शैलेश खैरवा) प्राधिकृत अधिकारी
उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

Email:np_ntd@yahoo.in Phone:- 02953-233526

क्रमांक /न.पा.ना./उप.एकी./2025/15443 दिनांक: 11.12.2025

- : आपत्ती सूचना :-

एतर्थ द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर भूखण्डों का उपविभाजन/एकीकरण का स्वयं के नाम पर निम्नांकित वर्णित सम्पत्ति पर उपविभाजन/एकीकरण कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती होतो सात दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दें अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणों में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक का नाम व पता	आवेदित सम्पत्ति कापता	पड़ौस: पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्रीमती राजेन्द्र मेनारिया पत्नी श्री रमेश चन्द्र मेनारिया निवासी- लाल बाग, नाथद्वारा	भूखण्ड क्षेत्रफल- 1387.50 वर्गफिट, बिच्छु मंगरी बागोल रोड, नाथद्वारा	कृषि भूमि	श्रीमती कलादेवी पालीवाल का भूखण्ड	अन्य आवासीय भूखण्ड	आम सड़क बागोल जाने वाली

आयुक्त, नगरपालिका नाथद्वारा

कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी भीम (राजसमंद)

क्रमांक: 1009 दिनांक: 17.12.2025

खुली निविदा आमंत्रण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस कार्यालय द्वारा तलाई आंगनबाड़ी केन्द्र पर विविध मरम्मत/निर्माण कार्य करवाये जाने हेतु रू 310500 की खुली निविदा आमन्त्रित की जाती है इच्छुक पंजीकृत निविदादाताओं/एजेन्सी के माध्यम से बन्द लिफाफो में अपनी बोली दिनांक 24.12.2025 तक प्रस्तुत कर सकते है निविदा से संबंधित अधिक जानकारी के लिए कार्यालय बाल विकास परियोजना अधिकारी भीम (राजसमंद) vsppp पोर्टल पर विजिट कर सकते है।

UBN- ICD2526WSOB01488
NIB- ICD2526A1083

बाल विकास परियोजना अधिकारी
समेकित बाल विकास सेवाएँ
भीम राजसमन्द

कार्यालय नगरपालिका नाथद्वारा, जिला-राजसमन्द (राज.)

क्रमांक :/न.पा.ना./69 क /2025/12747 दिनांक : 07/10/2025

-: आपत्ती सूचना :-

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्तियों द्वारा जरिये क्रय शुद्वा/पट्टा शुद्वा के आधार पर प्राप्त भूखण्ड/भवन का स्वयं के नाम पर निम्नाकिंत वर्णित सम्पति पर 69 ए का फ्री होल्ड पट्टे का आवेदन प्रस्तुत किया है। उक्त आवेदन के संबंध में किसी भी हितधारी को कोई आपत्ती हो तो तीन दिवस (कार्य दिवस) में नगरपालिका कार्यालय में लिखित रूप से प्रस्तुत कर दे अन्यथा प्रकरण में कोई आपत्ती प्राप्त नहीं होने एवं दस्तावेज पूर्ण पाये जाने पर नियमानुसार कार्यवाही पूर्ण करते हुए उक्त प्रकरणो में आगामी कार्यवाही सम्पादित कर दी जायेगी

क्र.सं.	आवेदक का नाम	आवेदित सम्पति का पता एवं माप	पडौस: पूर्व	पश्चिम	उत्तर	दक्षिण
1.	श्री राजेन्द्र शर्मा/ श्री रघुनाथ शर्मा	सुथारवाडा, नाथूवास नाथद्वारा भूखण्ड क्षेत्रफल 1220.54 वर्ग फीट	स्वंय का पुश्तैनी मकान व आगे परमानंद जी का मकान	आम रास्ता	तुलसीदास पिता सोहन जी सुथार का मकान	आम रास्ता

आयुक्त - नगरपालिका नाथद्वारा

हम सौरव गांगुली को जवाब देंगे, क्योंकि यह फुटबॉल का मैदान है, क्रिकेट का नहीं। वह एक महान खिलाड़ी हैं और हम उनका सम्मान करते हैं, लेकिन अगर फुटबॉल के मैदान पर कुछ भी गलत होता है, तो हम किसी को नहीं बख्शेंगे। **-उत्तम साहा**

पूर्व भारतीय कप्तान, सौरव गांगुली को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

स्कॉट वीनिंक

न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वीनिंक ने शुक्रवार को मेंबर एसोसिएशन और न्यूजीलैंड क्रिकेट प्लेयर्स एसोसिएशन (एनजेडसीपीए) के साथ मतभेदों का हवाला देते हुए कहा कि वह 30 जनवरी 2026 को अपने पद से हट जायेंगे। वीनिंक ने कहा, "ध्यान से सोचने के बाद, यह स्पष्ट हो गया है कि एनजेडसी की भविष्य की प्राथमिकताओं, जिसमें खेल की लंबे समय की दिशा और न्यूजीलैंड में टी-20 क्रिकेट की सबसे अच्छी भूमिका शामिल है, पर मेरा कई मेंबर एसोसिएशन और एनजेडसीपीए से अलग नजरिया है।"

क्या आप जानते हैं ?... सचिन तेंदुलकर अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में कुल 3 बार ठीक 99 रन पर आउट हुए हैं और ये सभी घटनाएँ वनडे क्रिकेट में 2007 के साल में हुई।

अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी

राजस्थान का अगले दौर में क्वालीफाई

जयपुर, 19 दिसंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में बीसीसीआई अंडर 19कूच बिहार ट्रॉफी के जयपुर में खेले जा रहे राजस्थान - जम्मू कश्मीर मैच के अंतिम दिन राजस्थान ने जम्मू एंड कश्मीर टीम को रोमांचक मुकाबले में 55 रनोसे हराया। राजस्थान पहली पारी 207 आल आउट।जम्मू पहली पारी 65 आल आउट।राजस्थान दूसरी 335 आल आउट।जम्मू एंड कश्मीर दूसरी पारी 422 आल आउट।आज मैच के अंतिम दिन जम्मू एंड कश्मीर टीम 422 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। राजस्थान के गेंदबाजप्रखर शर्मा 95/3, हनी प्रताप सिंह 66/3 केतन देवासी 110/3, जतिन 1 विकेट प्राप्त करते हुए मैच में शानदार जीत दर्ज की व इस जीत के साथ राजस्थान टीम ने प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया।

विजय हजारे ट्रॉफी हेतु राजस्थान टीम के संभावितों का शिविर आरसीए अकादमी पर शुरू : बीसीसीआई की आगामी विजय हजारे एक दिवसीय ट्रॉफी में भाग लेने वाली राजस्थान टीम के संभावितों का प्रशिक्षण शिविर आज से आरसीए अकादमी पर शुरू हुआ। प्रशिक्षण शिविर में खिलाडियों ने स्पोर्ट स्टाफ के निर्देशन में कड़ा अभ्यास किया। **बीसीसीआई अंडर 16 विजय मर्चेंट टॉफी के राजस्थान पंजाब मैच के दूसरे दिन का स्कोर :-** पंजाब पहली पारी 156 आल आउट।राजस्थान पहली पारी 129 आल आउट।पंजाब दूसरी पारी 251/8, आज दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक पंजाब ने अपनी दूसरी पारी में 8 विकेट के नुकसान पर 251 रन बना लिए थे।टीम के लिए पारस नाबाद 120, साहिबजोतवीर 50 रना।राजस्थान के गेंदबाज हिमांशु जणवा 51/4, प्रतीक चौधरी 56/2 व रोहन 1 विकेट। **अंडर 19 वीमेन एक दिवसीय ट्रॉफी** (राजस्थान - बड़ोदा मैच) बड़ोदा जीती-त्रिवेंद्रम में खेली जा रही बीसीसीआई वीमेन एक दिवसीय ट्रॉफी के आज खेले गए राजस्थान - बड़ोदा मैच में बड़ोदा जीती। बड़ोदा पारी 263/8,टीम के लिए आतोशी 78 , विधि 71 रना।राजस्थान की गेंदबाज धृति माथुर 25 / 3 , मैना सियोल 51 / 2 विकेट।राजस्थान पारी 122 आल आउट। टीम के लिए धृति माथुर 34 , प्रियांशी 25 व तनिका शर्मा 18 रना।बड़ोदा की गेंदबाज नंदिनी 3 , स्नेहा , मृत्रि , तन्वी 2 - 2 विकेट।

प्रखर असावा ने सिडको ओपन में 25वां स्थान हासिल किया

जयपुर, 19 दिसंबर। जयपुर के रामबाग गोल्फ क्लब के प्रखर असावा ने 16 से 19 दिसंबर 2025 तक खारघर वैली गोल्फ में आयोजित लार्सन एंड टुब्रो नेशनल गोल्फ चैम्पियनशिप के सिडको ओपन में 25वां स्थान हासिल किया। इस नए लॉन्च किए गए अंतरराष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंट में शीर्ष भारतीय पेशेवर खिलाड़ियों जैसे मनु गंडास, वीर अहलावत, रोहन ढोले पाटिल के अतिरिक्त अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी मिचेल ऑर्टोलानी, सुबाश तामांग, स्टेपन डानेक, एन. थंगराजा, बादल हुसैन और जोशुआ सील जैसी प्रतिभाएं भी शामिल थीं।

तिलक-पंड्या की फिफ्टी; चक्रवर्ती को 4 विकेट

भारत ने लगातार 8वीं टी-20 सीरीज जीती: साउथ अफ्रीका को 5वें मैच में 30 रन से हराया

अहमदाबाद 19 दिसंबर। भारत ने शुक्रवार को साउथ अफ्रीका के खिलाफ पांचवें टी20 मैच में 30 रनों से धूल चटाई। भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 232 रनों का टारगेट देने का बाद मेहमान टीम को 201/8 के स्कोर पर रोका। भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज 3-1 से अपने नाम की। लखनऊ में चौथा मुकाबला धुंध के कारण रद्द हो गया था। टीम इंडिया ने इतिहास रचा है। भारत ने पहली बार घर पर साउथ अफ्रीका से टी20 सीरीज जीती है। अहमदाबाद में लक्ष्य का पीछा करते हुए साउथ अफ्रीका ने अच्छा आगाज किया। ओपनर किंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रेक्स ने 69 रन जोड़े। रीजा 12 गेंदों में सात रन बनाने के बाद सातवें ओवर में लौटे। डिकॉक ने डेवाल्ड ब्रेविस के साथ दूसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। डिकॉक 11वें ओवर में आउट हुए, जिसके बाद साउथ अफ्रीका की पारी पटरी से उतर गई। उन्होंने 65 गेंदों में 65 रन बनाए, जिसमें 9 चौके और तीन सिक्स हैं।

इससे पहले, भारत ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 231 रन जुटाए। तिलक वर्मा ने भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाए। उन्होंने 42 गेंदों में 10 चौकों और एक छक्के की मदद से 73 रनों की पारी खेली। वहीं, ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने तूफानी अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 25 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें पांच चौके और पांच सिक्स शामिल हैं। हार्दिक ने महज 16 गेंदों में फिफ्टी कंप्लीट कर ली थी। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक लगाया है। हार्दिक से आगे युवराज सिंह (12 गेंदों में इंग्लैंड के खिलाफ, 2007) हैं।

टॉस गंवाने के बाद पहले बैटिंग करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन ने पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। अभिषेक छठे ओवर में कॉर्बिन बॉश का शिकार बने। उन्होंने 22 गेंदों में 37 रन बटोरे। उनके बल्ले से चार चौके और दो छक्के निकले। शुभमन गिल के चोटिल होने के कारण प्लेइंग इलेवन में आए सैमसन ने 21 गेंदों में 34 रनों का योगदान दिया। उन्होंने छह चौके और एक सिक्स ठोका। सैमसन को जॉर्ज लिंडे ने दसवें ओवर में बोल्ड किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव (5) को बॉश ने 13वें ओवर में पवेलियन भेजा। 115 पर भारत के तीन विकेट गिरने के बाद तिलक और हार्दिक ने मोर्चा संभाला। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 105 रनों की दमदार साझेदारी की। दोनों ओटनील बार्टमैन द्वारा डाले गए 20वें ओवर में पवेलियन लौटे। तिलक रनआउट हुए। शिवम दुबे 3 गेंदों में 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

डेवन कॉन्वे के दोहरा शतक से न्यूजीलैंड ने 575/8 पर की पारी घोषित, वेस्टइंडीज की ठोस शुरुआत

माउंट मॉन्गानुई (न्यूजीलैंड) 19 दिसंबर। डेवन कॉन्वे (227) और रचिन रविंद्र (नाबाद 72) की शानदार पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने तीसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन शुक्रवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ विकेट पर 575 रनों का विशाल स्कोर बनाने के बाद पारी घोषित कर दी। इसके जवाब में वेस्टइंडीज ने स्टंप्स के समय बिना कोई विकेट गंवाये 110 रन बनाकर ठोस शुरुआत की।

आज यहां न्यूजीलैंड ने कल के एक विकेट पर 334 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में न्यूजीलैंड का दूसरा विकेट जेकब डफी (17) के रूप में गिरा। उन्हें जेडेन सील्स ने आउट किया। इसके बाद केन विलियमसन (31) रन बनाकर आउट हुये। इसी दौरान डेवन कॉन्वे ने अपना दोहरा शतक पूरा किया। यह उनके करियर का छठा शतक है। उनके करियर का यह दूसरा दोहरे शतक है। इससे पहले उन्होंने 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ 200 रनों की पारी खेली थी।

121वें ओवर में जस्टिन ग्रीव्स ने उन्हें पगबाधा आउटकर पवेलियन भेजा। डेवन कॉन्वे ने 367 गेंदों में 31 चौके लगाते हुए 227 रनों की पारी खेली। डैरिल मिचेल (11), टॉम ब्लंडल (चार), ग्लेन फिलिप्स (29) और जैकरी फॉक्स (एक) रन बनाकर आउट हुये।

न्यूजीलैंड ने 155 ओवर होने के बाद आठ विकेट पर 575 के स्कोर पर पारी घोषित कर दी। उस समय रचिन रविंद्र 106 गेंदों में (नाबाद 72) और एजाज पटेल (नाबाद 30) रन बनाकर खेल रहे थे। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स, एंडरसन फिलीप और जस्टिन ग्रीव्स ने एक-एक विकेट लिया। केमार रोच और रॉस्टन चेज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज ने दिन का खेल समाप्त होने के समय बिना कोई विकेट खोए 110 रन बना लिये है। जॉन कैंपबेल (नाबाद 45) और ब्रैंडन किंग (नाबाद 55) क्रीज पर मौजूद थे।

गौतम गंभीर को टीम के कोच की जगह प्रबंधक होना चाहिएः कपिल देव

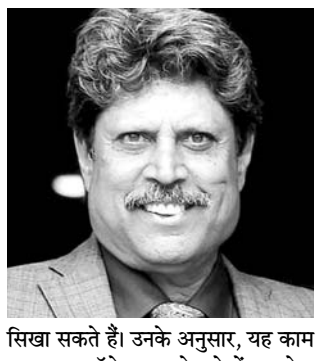

कोलकाता, 19 दिसंबर। भारत के पहले विश्व कप जीतने वाले कप्तान कपिल देव ने पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को लेकर कहा कि आज के क्रिकेट सेटअप में गंभीर को कोच के बजाय टीम प्रबंधक के तौर पर देखा जाना चाहिए।

इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स के आईसीसी शताब्दी सत्र में कपिल ने कहा कि समकालीन क्रिकेट में कोच शब्द को अक्सर गलत समझा जाता है और उन्होंने उच्चतम स्तर पर इसकी प्रासंगिकता पर सवाल उठाया। कपिल की यह टिप्पणी भारत के हाल ही में घर पर टेस्ट सीरीज में 0-2 से हार के बाद गंभीर की बढ़ती आलोचना के बीच आई है, जिसमें खिलाड़ियों के बार-बार रोटेशन और ऑलराउंडरों पर अत्यधिक निर्भरता को लेकर गंभीर की आलोचना की गई है।

कपिल ने कहा, "आज, कोच नाम का यह शब्द, कोच एक बहुत ही आम शब्द है। गौतम गंभीर कोच नहीं हो सकते। वह टीम के मैनेजर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि जब आप कोच कहते हैं, तो कोच वह होता है जिनसे मैं स्कूल और कॉलेज में सीखता हूं।

उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि गौतम गंभीर किसी लेग-स्पिनर या विकेटकीपर को क्रिकेट की बारीकियां कैसे सिखा सकते हैं। उनके अनुसार, यह काम स्कूल या कॉलेज स्तर के कोचों का होता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुख्य कोच का असली काम खिलाड़ियों के व्यक्तित्व को समझना, उनका मनोबल बढ़ाना और टीम के लिए एक सही माहौल तैयार करना है।"

पूर्व ऑलराउंडर ने इस बात पर बल दिया कि कोच का काम तकनीकी सिखाने से ज्यादा खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रबंधन करना होता है। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि आपको मैनेजर करना होगा। यह अधिक महत्वपूर्ण है। एक प्रबंधक के तौर पर आप उन्हें प्रोत्साहित करते हैं कि आप यह कर सकते हैं, क्योंकि जब आप प्रबंधक बनते हैं, तो युवा लड़के आपको देखते हैं।"

कपिल ने समझाया कि एक सहायक माहौल बनाना कप्तान और टीम मैनेजमेंट दोनों की एक प्रमुख जिम्मेदारी थी।

उन्होंने कहा," आप किसी लेग स्पिनर या विकेटकीपर को कैसे कोच कर सकते हैं, जब वे पहले से उस कला में माहिर हैं? ऐसे में सबसे जरूरी काम मैनेजमेंट का होता है। एक मैनेजर खिलाड़ियों को भरोसा देता है, हौसला बढ़ाता है और उन्हें यह एहसास दिलाता है कि वे बेहतर कर सकते हैं।" कपिल ने कहा, "कप्तान या प्रबंधक का काम टीम को आराम और आत्मविश्वास देना है। खासकर उन खिलाड़ियों को, जो अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं" उन्होंने अपने कप्तानी अनुभव को साझा करते हुए कहा, "जो खिलाड़ी शतक बनाता है, उसके साथ मैं डिनर पर नहीं जाऊंगा। मैं उन लोगों के साथ वक्त बिताना पसंद करता हूं, जो संघर्ष कर रहे हों, ताकि उन्हें आत्मविश्वास मिले।" कपिल ने इस बात पर बल देते हुए अपनी बात खत्म की कि क्रिकेट में लीडरशिप केवल व्यक्तिगत प्रदर्शन से कहीं अधिक होती है।

उन्होंने कहा, "इसलिए मुझे लगता है कि एक कप्तान के तौर पर यह बहुत जरूरी है, और आपकी भूमिका केवल आपका प्रदर्शन नहीं है, बल्कि टीम को एक साथ लाना भी है।"

बंगलादेश को हराकर पाकिस्तान अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में

दुबई 19 दिसंबर। अब्दुल सुभान (चार विकेट) और हुजैफा अहसान (दो विकेट) के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद समीर मिन्हास (नाबाद 69) की शानदार पारी के दम पर पाकिस्तान ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप के दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका को 63 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला भारत से होगा।

श्रीलंका को हराकर भारत अंडर-19 एशिया कप के फाइनल में : गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन के बाद ऐरन जॉर्ज (नाबाद 58) और विहान मल्होत्रा (नाबाद 61) की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने शुक्रवार को अंडर-19 एशिया कप के पहले सेमीफाइनल में श्रीलंका को 12 गेंदे शेष रहते आठ विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है जहां उसका मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से होगा। 139 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों कप्तान आयुष म्हात्र (सात) और वैभव सूर्यवंशी (नौ) के विकेट 25 के स्कोर पर गंवा दिये।

ट्रैविस हेड का नाबाद शतक, ऑस्ट्रेलिया बड़ी बढ़त की ओर

एडिलेड, 19 दिसंबर। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड (नाबाद 145) की शतकीय और एलेक्स कैरी (नाबाद 52) की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पहली पारी में 286 पर समेटने के बाद शुक्रवार को तीसरे एशेज टेस्ट के तीसरे दिन स्टंप्स के समय अपनी दूसरी पारी में चार विकेट पर 271 रन बना लिये है और उसकी कुल बढत 356 रन हो गई है।

आज यहां इंग्लैंड ने कल के आठ विकेट पर 213 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में इंग्लैंड का नौवां विकेट कप्तान बेन स्टोक्स के रूप में गिरा। उन्हें 85वें ओवर की पहली गेंद पर मिचेल स्टार्क ने बोल्ड आउट किया। बेन स्टोक्स ने 198 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 83 रनों की पारी खेली। इसके बाद 88वें ओवर की दूसरी गेंद पर स्कॉट बोलैंड ने जोफ्रा आर्चर को आउटकर 286 के स्कोर पर इंग्लैंड की पहली पारी का अंत कर दिया। जोफ्रा आर्चर ने 105 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का उड़ाते हुए 51 रनों की पारी खेली। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी के आधार पर 85 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त हासिल कर ली। ऑस्ट्रेलिया के लिए पैट कमिंस और स्कॉट बोलैंड ने तीन-तीन विकेट लिये। नेथन लायन को दो विकेट मिले। मिचेल स्टार्क और कैमरन ग्रीन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इसके दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ही ओवर में जेक वेदरॉल्ड (एक) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद मार्नस लाबुशेन (13), उस्मान ख्वाजा (40) और कैमरन ग्रीन (सात) रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उस समय टीम का स्कोर चार विकेट पर 149 रन था। ऐसे संकट के समय बल्लेबाजी करने आये एलेक्स कैरी ने ट्रेविस हेड के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन बटोरे। इसी दौरान ट्रेविस हेड ने अपना शतक पूरा किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय ऑस्ट्रेलिया ने चार विकेट पर 271 रन बना लिये है। ट्रेविस हेड (नाबाद 145) और एलेक्स कैरी (नाबाद 52) क्रीज पर मौजूद थे। इंग्लैंड के लिए जॉश टंग ने दो विकेट लिये। ब्राइडन कार्स और विल जैक्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

राजधानी

राजस्थान रिफाइनरी इकाई का 96.4 प्रतिशत कार्य पूर्ण

मूंदड़ा पोर्ट पहुंची अरब मिक्स क्रूड ऑयल की पहली खेप, मेहसाना भटिण्डा गैस पाइपलाईन से गैस आना शुरु

जयपुर (कासं)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को सचिवालय के चिंतन कक्ष में एचआरआरएल की राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की 7 वीं बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि राजस्थान रिफाइनरी राजस्थान सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के साथ ही देश की ऐसी पहली परियोजना है जिसमें रिफाइनरी के साथ ही पेट्रोकेमिकल काम्पलेक्स भी है। उन्होंने रिफाइनरी के अधिकारियों सहित संबंधित विभागों को परस्पर समन्वय से कार्य करते हुए रिफाइनरी का कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने विस्तार से प्रगति और संबंधित बिन्दुओं की जानकारी ली।

राजस्थान रिफाइनरी के मुख्यकार्यकारी अधिकारी कमलाकर आर विखार व सीएफओ इन्द्रजीत दासगुप्ता ने बताया कि राजस्थान रिफाइनरी (एचआरआरएल) कार्य प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि रिफाइनरी का समग्र रूप से 90.3 प्रतिशत कार्य पूरा हुआ है जिसमें रिफाइनरी इकाई का 96.4 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है वहीं रिफाइनरी के लिए मूंदड्डा पोर्ट पर अरब मिक्स से क्रूड टेंक (सीओटी) तक रिफाइनरी के लिए कच्चे तेल की पहली खेप आ गई है और यह मूंदड़ा पोर्ट के 6 टेंकों से पाइपलाईन के माध्यम से रिफाइनरी तक पहुंचेगी। रिफाइनरी में ओबीई कार्य 99.8 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

सीएमडी एचपीसीएल विकास कौशल ने बताया कि राजस्थान सरकार के सहयोग व समन्वय से रिफाइनरी कार्य प्रगति पर है। रिफाइनरी में मेहसाना भटिण्डा गैस पाइपलाईन (एमबीपीएल) से गैस आना शुरु होने के साथ ही फ्लेयर सिस्टम शुरु होने से टेस्टिंग प्रक्रिया आरंभ हो गई है। उन्होंने बताया कि रिफाइनरी के नाचना रिजर्व वायर से पाइपलाईन से पानी आने लगा है। टी. रविकान्त ने बताया कि पेट्रोलियम विभाग द्वारा लगातार समन्वय बनाते हुए रिफाइनरी को गति दी जा रही है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को एचआरआरएल की राज्यस्तरीय टास्क फोर्स की 7वीं बैठक आयोजित हुई।

- मुख्य सचिव वी.श्रीनिवास ने कहा ''संबंधित विभाग समन्वय से रिफाइनरी का कार्य पूरा करें'
- एचआरआरएल रिफाइनरी राजस्थान सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट
- राजस्थान रिफाइनरी का समग्र रूप से 90.3 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका

राजस्थान रिफाइनरी की खास बात यह है कि जीरो लिक्विड इफ्लूएंट डिसचार्ज है जिसका सीधा सीधा मतलब है कि इस रिफाइनरी में प्रसंस्करण के दौरान किसी तरह का वेस्टेज नहीं होगा। उन्होंने बताया कि बालोतरा से पचपदरा 12 किमी तक रेल्वे व पचपदरा से रिफाइनरी साइट तक एचआरआरएल द्वारा रेल्वे लाइन बिछाई जाएगी। रिफाइनरी से प्रदेश में निवेश, रोजगार और रेवेन्यू ने नए अवसर होंगे।

बैठक में बालोतरा से रिफाइनरी तक रेल्वेलाईन बिछाने, बिजली सबस्टेशन, राज्य से आने वाले कच्चे तेल पर वेट कम करने सहित विभिन्न बिन्दुओं पर विचार विमर्श किया गया। इस अवसर पर राजस्थान रिफाइनरी की एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।टास्क फोर्स की बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव व चेयरमेन आईजीएनपी अभय कुमार, प्रमुख सचिव ऊर्जा अजिताभ शर्मा, वित वैभव गालरिया, राजस्व सचिव जोगाराम, पीएचईडी, पीड्ब्लूडी, रीको, उत्तर पश्चिम रेल्वे, एमओपीएनजी, कलेक्टर बालोतरा, संभागीय आयुक्त, आरएसएमएमएल, संयुक्त निदेशक पेट्रोलियम दिलीप राज शर्मा सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

सार-समाचार

ब्रिटिश काउंसिल देगा ग्रेट स्कॉलरशिप

जयपुर । ब्रिटिश काउंसिल, जो सांस्कृतिक संबंधों और शैक्षिणक अवसरों के लिए ब्रिटेन की अंतर्राष्ट्रीय संस्था है, ने यूके सरकार के ग्रेट ब्रिटेन अभियान के साथ मिलकर ग्रेट स्कॉलरशिप 2026-27 की घोषणा की है। यह स्कॉलरशिप उन प्रतिभाशाली भारतीय विद्यार्थियों के लिए है, जिन्होंने शैक्षिणक उत्कृष्टता हासिल की है और जो ब्रिटेन में पोस्टग्रेजुएशन करना चाहते है। इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले उच्च शिक्षा संस्थानों में एंग्लिया रस्किन यूनिवर्सिटी, नॉर्विच यूनिवर्सिटी ऑफ द आर्ट्स, क्वीन्स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, रॉयल कॉलेज ऑफ आर्ट, रॉयल कंज़र्वेटॉयर ऑफ स्कॉटलैंड, रॉयल नॉर्दर्न कॉलेज ऑफ म्यूज़िक, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिस्टल, ट्रिनिटी लाबान कंज़र्वेटॉयर ऑफ म्यूज़िक एंड डांस, यूनिवर्सिटी ऑफ डंडी, यूनिवर्सिटी ऑफ रीडिंग, यूनिवर्सिटी ऑफ सरे और यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट इंग्लैंड (यूडब्ल्यूई) ब्रिस्टल शामिल हैं। प्रत्येक स्कॉलरशिप में एक वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स की ट्यूशन फीस के लिए न्यूनतम 10 हजार पाउंड की राशि प्रदान की जाती है, जिससे भारत के योग्य विद्यार्थियों को विश्वस्तरीय शिक्षा और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त विशेषज्ञता हासिल करने में सहायता मिलती है। ये स्कॉलरशिप्स वित्तीय प्रबंधन (फाइनेंस), मार्केटिंग, व्यवसाय प्रबंधन (बिज़नेस), मनोविज्ञान, 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित' (एसटीईएम), डिज़ाइन और मानविकी के साथ-साथ कला, संगीत और नृत्य कार्यक्रम पर मिलेगी।

पूर्व एएसजी रस्तोगी का सम्मान आज

जयपुर । आर.ए.पोद्दार इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट द्वारा पूर्व अतिरिक्त सोलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया (पूर्व एएसजी) और वरिष्ठ अधिवक्ता राजदीपक रस्तोगी को पीमा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से नवाजा जायेगा। यह अवार्ड उन्हें 20 दिसंबर को आर.ए.पोद्दार इंस्टीट्यूट एंड मैनेजमेंट परिसर में आयोजित होने वाले समारोह में दिया जायेगा।

"विकसित भारत 2047" पर चर्चा

जयपुर । राजस्थान विश्वविद्यालय के एच.आर.डी.सी. भवन राजस्थान इकोनॉमिक एसोशिएशन द्वारा "विकसित भारत 2047" के परिप्रेक्ष्य में आयोजित 43वें वार्षिक सम्मेलन एवं संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में समर्थ इंडिया फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा सहित अनेक विद्वान एवं अर्थशास्त्री उपस्थित रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता नरेंद्र कटारा ने कहा कि विकसित भारत 2047 केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि आज लिए जा रहे साहसिक, दूरदर्शी और संरचनात्मक आर्थिक निर्णयों का प्रत्यक्ष परिणाम होगा।

क्वालिटी कंट्रोल मैनुअल जारी

जयपुर। आवासन मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय तकनीकी कार्यशाला के दूसरे दिवस एक महत्वपूर्ण तकनीकी पहल के अंतर्गत "क्वालिटी कंट्रोल मैन्युअल 2025 : टेस्ट फ्रीक्वेंसी एंड स्पेसिफिकेशन फॉर बिल्डिंग एंड रोड्स" का लोकार्पण किया गया। तकनीकी मार्गदर्शक दस्तावेज का विमोचन आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा ने मंडल के मुख्य अभियंताओं एवं वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नव-नियुक्त अभियंताओं की सहभागिता रही।

छात्रसंघ चुनाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया, परंतु शिक्षा के अधिकार से ऊपर नहीं : हाईकोर्ट

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय सहित अन्य विवि और कॉलेजों में तुरंत छात्रसंघ चुनाव कराने के संबंध में निर्देश देने से इनकार कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा कि छात्रसंघ चुनाव एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, लेकिन इसे शिक्षा के मौलिक अधिकार से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

इसके साथ ही अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि प्रदेश में छात्रसंघ चुनाव को लेकर एक स्पष्ट और तर्कसंगत नीति बनाई जानी चाहिए। अदालत ने निर्वाचन आयोग को कहा है कि वह अपने चुनाव को लेकर पहले से ही वैकल्पिक व्यवस्था रखें और यह सुनिश्चित करे कि इस दौरान शैक्षिणक कामकाज प्रभावित नहीं हो। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि फिलहाल मौजूदा शैक्षिणक सत्र समाप्त होने के अंतिम चरण में है और ऐसे में इस शैक्षिणक सत्र में छात्रसंघ चुनाव के लिए अदालत कोई निर्देश जारी नहीं करना चाहता। अदालत ने कहा कि 19 जनवरी, 2026 को सभी विवि और कॉलेजों सहित अन्य संबंधित लोगों की बैठक बुलाई जाए। इस बैठक में भविष्य के छात्रसंघ चुनावों के लिए व्यापक दिशा निर्देश तैयार किए जाए। वहीं यदि चुनाव नहीं कराने के संबंध में निर्णय लिया जाता है तो उसके लिए ठोस और तार्किक कारण बताए जाने चाहिए। अदालत ने राज्य सरकार व यूनिवर्सिटी को कहा है कि वे चुनावों के सही तरीके से संचालन के लिए एक छात्रसंघ चुनाव बोर्ड या समिति गठित करे, जो इन चुनावों के लिए जवाबदेह हो। अदालत ने कहा कि चुनाव कैलेंडर हर शैक्षिणक वर्ष के मार्च महीने में जारी किया जाऐ।

आरयूएचएस में कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी शुरू

जयपुर । आरयूएचएस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का निरंतर विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हो रहा है। इसी कड़ी में अब यहां कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी भी प्रारंभ हो गई है। शुक्रवार को अस्पताल में पहली बार कॉक्लियर इम्पलांट सर्जरी सफलतापूर्वक की गई। यह सर्जरी प्रारंभ होने से राजस्थान के गंभीर एवं अत्यधिक श्रवण बाधित बच्चों एवं वयस्कों को अत्याधुनिक उपचार सुविधाओं के लिए एक बेहतर विकल्प मिल सकेगा।उल्लेखनीय है कि विगत दिनों चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने आरयूएचएस अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करने के निर्देश दिऐ।

राजस्थान में दुग्ध उत्पादक सम्बल योजना में पांच लाख किसानों को मिला 1172 करोड़ रु. अनुदान

जयपुर । मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश के डेयरी क्षेत्र ने गत 2 वर्षों में अभूतपूर्व प्रगति की है। पिछले 2 सालों में लगभग 5 लाख किसानों को 1172 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। इसके अतिरिक्त दुग्ध उत्पादकों के लिए सरस सामूहिक आरोग्य बीमा योजना के तहत 3 लाख रुपये तक की बीमा राशि दी जा रही है। अब तक लगभग 34 हजार दुग्ध उत्पादकों का बीमा किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा सरस मायरा योजना शुरू की गई है। इसके तहत दुग्ध उत्पादक सदस्यों की बेटी की शादी में 21 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों से आरसीडीएफ का वार्षिक टर्नओवर 8 हजार करोड़ रुपये से बढ़कर 10 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। आरसीडीएफ और जिला दुग्ध संघों का कुल लाभ और टर्नओवर पिछले 47 वर्षों के इतिहास में सर्वाधिक है। टर्नओवर में हुई इस अभूतपूर्व वृद्धि का सीधा लाभ डेयरी क्षेत्र को मिला है। वार्षिक लाभ में लगभग 44 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई है। राज्य सरकार के डेयरी क्षेत्र में कुशल और प्रभावी प्रबंधन तथा संसाधनों के समुचित उपयोग के फलस्परूप वर्षों से घाटे में चल रही 15 दुग्ध इकाइयां वर्तमान में मुनाफा दे रही हैं।

हमारी सरकार की नीतियों व योजनाओं में महिला उत्थान को सर्वोच्च प्राथमिकता- भजनलाल

राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर धौलपुर में राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन का आयोजन

धौलपुर/जयपुर, 19 दिसम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आधी आबादी के सशक्तिकरण से ही समग्र विकास का सपना पूरा किया जा सकता है। हमारी सरकार ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल में महिलाओं की सुरक्षा

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को डीबीटी माध्यम से राशि हस्तांतरित की।
- मुख्यमंत्री ने राजस्थान महिला निधि द्वारा पाँच हजार लखपति दीदी को 100 करोड़ रूपए के ऋण सहायता के चैक वितरित किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने छात्राओं को साइकिल एवं दिव्यांगो को स्कूटी वितरित की।

एवं सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार अपनी नीतियों एवं योजनाओं के माध्यम से महिला उत्थान के लिए निरंतर निर्णय ले रही है।

शर्मा ने राज्य सरकार के 2 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला के तहत, शुक्रवार को धौलपुर के पचगांव में आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी शक्ति का सदैव सम्मान रहा है। शास्त्रों में भी कहा गया है, जहां नारियों की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने धौलपुर में 1 लाख 62 हजार महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवाए हैं। साथ ही, जिले की 30 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी योजना से लाभान्वित हुई हैं।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि आज महिला घर की चौखट से निकलकर राष्ट्र निर्माण में भागीदारी कर रही है। अब महिला लाभार्थी ही नहीं, बल्कि नीति निर्माता भी बन चुकी है। इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने भी उपस्थितजनों को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तानांतरित की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान महिला निधि द्वारा 5 हजार लखपति दीदी को 100 करोड़ रुपये की ऋण सहायता का चैक तथा लखपति दीदी, कृषि सखियों व पशु सखियों को टैबलेट का वितरण किया। मुख्यमंत्री ने स्कूली छात्राओं को साइकिल एवं दिव्यांगजनों को स्कूटी भी वितरित कीं।

ग्राम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

2026 तक कराए जाने का निर्देश दिया गया था। एसएलपी में राज्य की ग्राम पंचायत, एवं नगरपालिका वॉर्ड में चल रहे परिसीमन के कारण निर्वाचित निकायों के पांच साल की अवधि पूरी होने पर उनमें चुनाव नहीं कराए जाने और प्रशासकों की नियुक्ति पर सवाल उठाया गया था और कहा गया संविधान के अनुच्छेद 243-ई एवं 243-यू के तहत स्थानीय निकायों का कार्यकाल खत्म होते ही तत्काल चुनाव कराए जाना जरूरी है। इसके अलावा, परिसीमन को लोकतांत्रिक प्रक्रिया को टालने का आधार नहीं बनाया जा सकता। राज्य सरकार की ओर से एएसजी केएम नटराज व एएजी शिवमंगल शर्मा ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि तय कार्यक्रम के अनुसार चुनाव करवाए जाने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कोई भी अन्य आदेश पूरे प्रदेश की परिसीमन व चुनाव प्रक्रिया में रुकावट पैदा करेगा।

जर्मनी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

किया। गौरतलब है कि गांधी 15 से 20 दिसंबर से जर्मनी के दौरे पर हैं और वह भारतीय मूल के लोगों के साथ मुलाकात और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रहे हैं।

युवराज सिंह व सोनू सूद सहित कई सैलिब्रिटीज़ की करोड़ों की संपत्ति कुर्क

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म "वन एक्सबेट" ऐप से जुड़े मामले में यह कार्यवाही की

- ईडी ने बताया, यह फर्म भारत में अवैध रुप से काम कर रही है। युवराज व सोनू सूद सहित रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, मिमी चक्रवर्ती तथा नेहा शर्मा की 7.9 करोड़ रु. की चल-अचल संपत्ति कुर्क की गई।

नयी दिल्ली, 19 दिसंबर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म वन एक्सबेट ऐप से जुड़े मामले में कार्रवाई करते हुए चर्चित हस्तियों युवराज सिंह, रॉबिन उथप्पा, उर्वशी रौतेला, सोनू सूद, मिमी चक्रवर्ती, अंकुश हाजरा और नेहा शर्मा की 7.93 करोड़ रुपये मूल्य की चल और अचल संपत्ति कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

ईडी ने अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म वन एक्सबेट के संचालकों के खिलाफ विभिन्न राज्यों में दर्ज कई प्राथमिकियों के आधार पर अपनी जांच शुरू की थी।

जांच में पाया गया कि यह प्लेटफार्म और इसके सहयोगी ब्रांड भारत में अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुआ गतिविधियों को बढ़ावा देने और उन्हें संचालित करने में शामिल थे।

जांच एजेंसी ने खुलासा किया कि इन हस्तियों ने इसके सरोगेट ब्रांडों के माध्यम से वन एक्सबेट के प्रचार के लिए विदेशी संस्थाओं के साथ विज्ञापन अनुबंध किए थे। इन विज्ञापनों के बदले भुगतान को विदेशी संस्थाओं के माध्यम से घुमा-फिराकर भेजा गया था, ताकि धन के अवैध स्त्रोत को छिपाया जा सके। यह धन सट्टेबाजी की अवैध गतिविधियों से अर्जित अपराध की कमाई से जुड़ा था।

ईडी ने बताया कि वन एक्सबेट भारत में बिना किसी आधिकारिक अनुमति के काम कर रहा था । वह सोशल मीडिया, ऑनलाइन वीडियो तथा प्रिंट मीडिया के जरिए भारतीय उपयोगकर्ताओं को प्रभावित करने के लिए परोक्ष विज्ञापन तकनीक का उपयोग करता था। विज्ञापनों के लिए भुगतान की व्यवस्था विदेशी मध्यस्थों के माध्यम से कई परतों में लेनदेन करके की गई थी। इससे पहले ईडी ने इसी मामले में क्रिकेटरों, शिखर धवन और सुरेश रैना की 11.14 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की थी।

जांच एजेंसी ने चेतावनी दी है कि अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्म गंभीर आर्थिक नुकसान पहुंचाते हैं और इनका उपयोग धन शोधन के लिए किया जाता है। ईडी ने मशहूर हस्तियों और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को आगाह किया है कि ऐसे अवैध प्लेटफार्मों का प्रचार करना एक दंडनीय अपराध है जिसके लिए कानून के तहत कार्रवाई की जा सकती है।

राहुल गांधी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राहुल ने कहा, "और सबसे बुरी बात यह है कि यह कानून संसद में उचित समीक्षा के बिना और जोर-जबर्दस्ती के साथ पारित कर दिया गया। विपक्ष की मांग थी कि विधेयक को स्थायी समिति के पास भेजा जाए, लेकिन उसे खारिज कर दिया गया। एक कानून, जो ग्रामीण सामाजिक अनुबंध को फिर से सृजित करता है, करोड़ों श्रमिकों को प्रभावित करता है, उसे समिति द्वारा गंभीर समीक्षा, विशेषज्ञ परामर्श, और सार्वजनिक सुनवाई के बिना पारित नहीं किया जाना चाहिए।"

राहुल गांधी ने यह भी कहा, प्रधानमंत्री मोदी के लक्ष्य स्पष्ट हैं: श्रमिकों को कमज़ोर करो, ग्रामीण भारत की ताकत, विशेषकर दलितों, ओबीसी और आदिवासियों की ताकत को कमज़ोर करो, शक्ति को केन्द्रीकृत करो, और फिर नारेबाजी को सुधार के रूप में बेचो।"

उन्होंने कहा, "मनरेगा" दुनिया के सबसे सफल गरीबी उन्मूलन और सशक्तिकरण कार्यक्रमों में से एक था। "हम इस सरकार को ग्रामीण गरीबों की आखिरी सुरक्षा रेखा को नष्ट करने नहीं देंगे। हम श्रमिकों, पंचायतों और राज्यों के साथ खडे रहेंगे, ताकि इस कदम को हराया जा सके और इस कानून को वापस लेने के लिए एक राष्ट्रीय मोर्चा बनाएंगे।"

गुरुवार रात संसद ने विपक्ष के विरोध के बाद भी वीबी जी राम जी विधेयक को पारित कर दिया, जो 20 साल पुरानी मनरेगा योजना को बदलने का प्रस्ताव है और हर साल 125 दिन की ग्रामीण मजदूरी रोजगार की गारंटी देता है।

विकसित भारत रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) विधेयक को गुरुवार रात राज्यसभा में भी ध्वनिमत से पारित किया गया, कुछ घंटों बाद यह लोकसभा से भी पारित हो गया, जबकि विपक्ष ने महात्मा गांधी के नाम को हटाने और राज्यों पर वित्तीय बोझ डालने के आरोप लगाए थे।

संसद में बहस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि इन कदमों से मनचाहे नतीजे मिलने की संभावना कम है। पिछले 24 घंटों में 11,000 से ज्यादा प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों पर जुर्माना लगाया गया। वहीं, दिल्ली पुलिस ने बताया कि 12,164 मीट्रिक टन से अधिक कचरा उठाया गया और 2,068 किलोमीटर सड़कों की सफाई की गई। इसके बावजूद विशेषज्ञों का कहना है कि ये उपाय पर्याप्त नहीं हैं। उनका मानना है कि प्रदूषण के ऊँचे स्तर के लिए बड़े कदम उठाने की ज़रुरत है, जैसे कि वाहनों, उद्योगों और बिजली संयंत्रों जैसे सभी सैक्टरों में बड़े पैमाने पर एमिशन कंट्रोल जरुरी है। एनवायरोकैटलिस्ट्स के सुनील दहिया ने कहा, "दिल्ली में जरूरत पूरे साल लगातार बड़े स्तर के उपायों की है, न कि सिर्फ पीयूसी जांच के जरिए कुछ सौ वाहनों को कम करने की।"

दिल्ली के शहरी विकास मंत्री आशीष सूद ने इसके लिए पिछली आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पहले की सरकार ने दीर्घकालिक समाधान लागू करने के बजाय, कथित रूप से आंकड़ों में हेरफेर और प्रचार अभियानों पर भरोसा किया। भाजपा सरकार के कामकाज पर बात करते हुए सूद ने कहा कि रेखा गुप्ता सरकार ने अल्पकालिक उपायों पर निर्भर रहने के बजाय संरचनात्मक सुधार किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने नए कंस्ट्रक्शन के लिए रीसायकल किए गए कंस्ट्रशन और डिमॉलिशन मटीरियल का इस्तेमाल करना जरुरी कर दिया है और डेयरी कचरे के साईंटिफिक निपटारे के लिए नांगली सकरवती तथा घोघा डेयरियों में बायोगैस प्लांट लगाए गए हैं।

इस बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संसद में पेश किया जायेगा। उन्होंने बजट की तिथि के बारे में संवाददाताओं के सवालों पर कहा, " दिन अंग्रेजों ने बनाये थे, दिन से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बजट एक फरवरी को ही पेश किया जायेगा। "

उल्लेखनीय है कि केन्द्र सरकार का बजट 2017 से प्रति वर्ष एक फरवरी को ही संसद में पेश किया जाता है।

बांग्लादेश में फिर उत्पात शुरु

ढ ाका, 19 दिसंबर। बांग्लादेशमें एक बार फिर बवाल बढ़ ता दिख रहा है। गुरुवार देर रात से ही ढ ाका से लेकर दूसरे शहरों में प्रदर्शनकारी सड़कों पर हैं। इस प्रदर्शन के दौरान बड़े स्तर पर सरकारी संपत्तियों को भी आग के हवाले किया गया है। ढ ाका की सड़कों पर प्रदर्शनकारी लाखों की संख्या में उतर चुके हैं। प्रदर्शनकारी अपने युवा नेता उस्मान हादी की मौत से गुस्से में हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी का शव शुक्रवार शाम सिंगापुर से ढ ाका पहुंचा। इस बीच ढ ाका में आंदोलनकारी फिर हिंसक हो गए और उदिची संस्था के कार्यालय को जला दिया। ये संस्था कट्टरपंथियों के विरोध में काम करती है। बांग्लादेशी मीडिया के मुताबिक, हत्यारों को ट्रांसपोर्टेशन में सपोर्ट करने वाले आरोपियों ने अदालत में हत्या के मुख्य आरोपी फैसल करीम के भारत भागने का दावा किया है।

तमिलनाडु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसआईआर की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटे 27 लाख लोगों के नाम मृतकों की लिस्ट में डाले गए हैं और 66 लाख लोग वे हैं, जो इस राज्य से पलायन कर चुके हैं। चुनाव आयोग ने वोटर लिस्ट बनाने के दौरान पाया कि 3.4 लाख लोग ऐसे हैं, जिनके नाम दो जगह रजिस्टर्ड हैं, इसलिए इन लोगों के नाम भी हटा दिए गए।

'विभागीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया है। नियमानुसार, याचिकाकर्ताओं को विभागीय पदों में भी तय मापदंड के तहत आरक्षण प्राप्त करने का अधिकार है।

MARUTI SUZUKI ARENA

5 कारण जश्न मनाने के
शानदार ऑफ़र्स ₹ 58 100 तक
GST कटौती का लाभ उठाएं
एक्सचेंज ऑफ़र्स ₹ 15 000 तक
आपकी पुरानी कार की बैस्ट रीसेल वैल्यू
आकर्षक फाइनैंस विकल्प

धन्यवाद भारत!
अब हमारी संख्या 3 करोड़ हो गयी है और लगातार बढ़ती जा रही है।
आइए मिलकर जश्न मनाएं ख़ास ऑफ़र्स के साथ!

EFFECTIVE PRICE OF ₹3.17* LAKH
EFFECTIVE PRICE OF ₹2.97* LAKH
EFFECTIVE PRICE OF ₹4.40* LAKH
EFFECTIVE PRICE OF ₹4.17* LAKH

ARENA SAFETY SHIELD
Offers Valid Till Stocks Last
SCAN TO CONNECT TO SHOWROOM NEAR YOU
E-BOOK TODAY AT WWW.MARUTISUZUKI.COM
Contact us at 1800-102-1800

Terms and conditions apply. Please contact your nearest dealership for details. Features, accessories, and specifications may vary by variant and are subject to change without prior notice. Images are for illustration purposes only. Offers and prices may differ by variant, model, location, and city, and are subject to change or withdrawal without notice. Offer values represent the maximum applicable benefits and include consumer, exchange, and institutional/fleet offers (where applicable) on select models. The effective price for Alto K10 of ₹3.17 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹25 000, exchange/scrappage bonus of ₹25 000, and rural/ISL offer of ₹2 500 from the ex-showroom price of ₹3.69 Lakh. The effective price for S-presso of ₹2.97 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹25 000, exchange/scrappage bonus of ₹25 000, and rural/ISL offer of ₹2 500 from the ex-showroom price of ₹3.49 Lakh. The effective price for WagonR of ₹4.40 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹30 000, exchange/scrappage bonus of ₹25 000, and rural/ISL offer of ₹3 100 from the ex-showroom price of ₹4.98 Lakh. The effective price for Celerio of ₹4.17 Lakh has been calculated after deducting the applicable consumer offer of ₹25 000, exchange/scrappage bonus of ₹25 000, and rural/ISL offer of ₹2 500 from the ex-showroom price of ₹4.69 Lakh. 3 Crore sales is for entire Maruti Suzuki portfolio. Finance is at the sole discretion of the financier.

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908